E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 206 | गुवाहाटी | शनिवार, 24 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दोषियों को सजा मिलने तक शुभकरण का अंतिम संस्कार नहीं : किसान नेता — पेज 2

वैज्ञानिक पद्धति से हो रही गुवाहाटी का कचरा निपटान की ... — पेज 3

काशी की तर्ज पर सीर गोवर्धन का दिख रहा नया स्वरूप : आदित्यनाथ — पेज 5

टी-20 में रोहित, सूर्यकुमार के नाम है सबसे ज्यादा शतक — पेज 7

गुवाहाटी में लगाए जाएंगे दो हजार सीसीटीवी कैमरे : मंत्री सिंघल

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी शहर में दो हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। राज्य के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने सदन में बताया कि गुवाहाटी में विभिन्न स्थानों पर दो हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। ये सारे कैमरे इसी वर्ष लग जाएंगे। इसके लगने से गुवाहाटी की तमाम गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह पता चलेगा कि कौन व्यक्ति नदी-नालों में कचरा फेंक रहा है। मंत्री अशोक सिंघल आज असम विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक रमेंद्र नारायण कलिता द्वारा गुवाहाटी की नदियों की हालत से संबंधित प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। विधायक कलिता ने सवाल उठाया कि गुवाहाटी शहर से बहने वाली तीन मुख्य नदियों भरलु, मरा भरलु तथा बाहिनी नदी में शहर की गंदगी बहने तथा कूड़ा कचरा आदि फेंके जाने की वजह से यह सभी नदियां नालों में रूपांतरित हो गई हैं। विधायक ने सवाल किया कि सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी एचसी ने 80 फीसदी आरक्षण की मांग वाली याचिका का निपटारा किया, कहा-

मामला राज्य सरकार के विचाराधीन

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असमिया लोगों के लिए नौकरी में 80 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) का निपटारा कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला अभी राज्य सरकार के विचाराधीन है। मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की खंडपीठ ने कहा कि जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दे असम सरकार के विचाराधीन हैं। प्रतिवादी राज्य की ओर से की गई दलीलों पर विचार करने और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि इस जनहित याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दे राज्य सरकार के विचाराधीन हैं, हमारी राय है कि ऐसी

परिस्थितियों में, कोई और आदेश नहीं दिया जाएगा। इस जनहित याचिका में (ओं) को पारित किया जाना आवश्यक है। इसलिए, याचिका का निपटारा किया जाता है। याचिकाकर्ता ने आग्रह किया है कि राज्य असम सरकार और राज्य सरकार की परियोजनाओं के तहत 80 फीसदी पद असमिया नागरिकों के लिए अलग रखे। इसके अलावा, यह पूछा गया कि निजी क्षेत्र की परियोजनाओं, विशेष रूप से पीपीपी प्रतिमान के तहत संचालित होने वाली परियोजनाओं में असमिया लोगों के लिए 70 फीसदी रिक्तियां आरक्षित करने के लिए उचित उपाय किए जाएं। उद्योगों/कारखानों में आंध्र प्रदेश के स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम, 2019 और हरियाणा राज्य के स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम, 2020 की -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यों को विशेष योजनाएं लागू करने का निर्देश नहीं दे सकतीं अदालतें : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकार के नीतिगत मामलों की जांच में न्यायिक समीक्षा का दायर बहुत सीमित है और अदालतें राज्यों को उपलब्ध बेहतर व निष्पक्ष विकल्प के आधार पर किसी विशेष नीति या योजना को लागू करने का निर्देश नहीं दे सकतीं। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी भूख और कुपोषण से निपटने के लिए सामुदायिक रसोई स्थापित करने की योजना बनाने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका का निपटारा करते हुए की। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए मामले में कोई भी निर्देश देने से इनकार कर -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने सरकार को समर्थन देने वाले दो विधायकों को अयोग्य घोषित करने की अपील की

गुवाहाटी। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष को दो याचिकाएं सौंपकर कांग्रेस विधायकों कमलाख्या डे पुरकायस्थ और बसंत दास को अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया, जिन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़े बिना *सरकार का समर्थन* करने की घोषणा की थी। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए, सैकिया ने स्पीकर बिस्वजीत दैमारी को याचिकाएं सौंपी और उनसे स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ने के लिए असम विधानसभा की सदस्यता से दो सदस्यों को तुरंत अयोग्य घोषित करने का आग्रह किया। सैकिया ने कहा कि दोनों विधायकों को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति अपनी निष्ठा की घोषणा के बाद कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देने के बाद निलंबित कर दिया गया था। 14 फरवरी को, पुरकायस्थ और दास ने कहा था कि उन्होंने विकास कार्यों के लिए सरकार का समर्थन करने का फैसला किया है। पुरकायस्थ विपक्षी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष थे -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मनुष्य की वाणी ही विष और अमृत की खान है।

- आचार्य चाणक्य

मरियम नवाज बनेंगी पंजाब प्रांत की पहली महिला सीएम

लाहौर (हि.स.)। मरियम नवाज जहां पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनेंगी। वहीं, पाकिस्तान में नई सरकार के गठन की सुगबुगाहट के बीच पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थन से जीते नेशनल असेंबली व प्रांतीय असेंबली के निर्दलीय सदस्य कट्टरपंथी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल हो गए हैं। इससे वे महिलाओं व अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटों के कोटे में हिस्सेदारी का दावा कर सकेंगे। पीटीआई समर्थित निर्दलियों ने इस आशय -शेष पृष्ठ दो पर

जाति की भलाई के नाम पर सिर्फ अपना हित साधती हैं परिवारवादी पार्टियां : पीएम

वाराणसी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धन में कहा कि भाजपा सरकार संत रविदास के संकल्पों को पूरा कर रही है। गरीब, वंचित, पिछड़े और दलित के लिए सरकार की नीयत साफ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं संत रविदास के संकल्पों को आगे बढ़ा रहा हूं। मुझे उन्होंने ही सेवा का अवसर दिया है। प्रधानमंत्री ने संत रविदास की 647वीं जयंती पर सीरगोवर्धन में उनकी 25 फीट उंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह हमारा इतिहास रहा है कि जब भी देश को जरूरत हुई है, कोई न कोई संत, ऋषि, महान विभूति भारत में जन्म लेते हैं। संत रविदास तो उस भक्ति आंदोलन के महान संत थे, जिन्होंने कमजोर और विभाजित हो चुके भारत को नई ऊर्जा दी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने समाज को आजादी का महत्व भी बताया था और सामाजिक विभाजन को भी पाटने का काम किया। ऊंच-नीच, छुआछूत, भेदभाव समेत सभी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ उन्होंने आवाज उठाई। संत रविदास कहते हैं कि *जात पात के फेर मंहि, उरझि रहइ सब लोग। मानुषता कूं खात हइ, रैदास जात कर रोग।* यानी ज्यादातर लोग जातपात के फेर में उलझे और उलझाते रहते हैं। यह रोग -शेष पृष्ठ दो पर

चीन में बौद्ध भिक्षुओं का प्रदर्शन, सौ लोग गिरफ्तार

बीजिंग। चीन अक्सर अपने आक्रामक रुख के लिए सुर्खियों में रहता है। आए दिन चीन अपने पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवाद को लेकर बवाल खड़ा करता रहा है। अब चीन के सुरक्षा अधिकारी अपने ही देश के भीतर उठ रही विरोध की आवाज को कुचलने का काम कर रहे हैं। दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में एक विशाल बांध के निर्माण के खिलाफ प्रदर्शन को दबाने के लिए चीन के सुरक्षा बलों ने 100 से अधिक बौद्ध भिक्षुओं और स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया है। तमाम प्रदर्शनकारियों का मानना है कि अगर यहां बांध का निर्माण होता है, तो जल क्षेत्र में छह बौद्ध मठ डूब जाएंगे और दो गांवों को विस्थापित होना पड़ेगा। गौरतलब है कि 14 से गार्जे तिब्बती स्वायत्त प्रांत में डेगे काउंटी के वांगबुडिंग टाउनशिप की सड़कों पर स्थानीय लोगों द्वारा ड्रिचु नदी पर 2240 मेगावाट के गंगटुओ जलविद्युत स्टेशन परियोजना का विरोध किया जा रहा है। हालांकि सरकार द्वारा संचालित चीनी मीडिया ने गुरुवार ने कहा कि बांध यांग्त्जी नदी के ऊपरी हिस्से पर स्थि है, जो चीन के सबसे जरूरी जलमार्गों में से एक है। 14 फरवरी से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल 300 से अधिक तिब्बत के लोगों को सुरक्षा बलों के दमन का समाना करना पड़ रहा है। गौरतलब है -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कुकी समुदाय ने किया हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत

इंफाल। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने पर विचार करने का आदेश रद करने के मणिपुर हाई कोर्ट के फैसले को कुकी संगठनों ने सही बताते हुए स्वागत किया है। वहीं मैतेई संगठनों ने कहा कि वे एसटी दर्जे के लिए आंदोलन जारी रखेंगे। अनुसूचित जनजाति मांग समिति मणिपुर (एसटीडीसीएम) के महासचिव कीथेलकपम भोगेन ने कहा कि यह मुद्दा पूरी तरह न्यायिक मामला नहीं है और उन्होंने विधायकों से बातचीत समेत अपने प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया। वर्ल्ड मैतेई काउंसिल के प्रेसिडेंट हेग्रुजम नबास्याम ने कहा कि अदालत के फैसले के बावजूद एसटी दर्जे की उनकी मांग कायम है, अप्रभावित है। दूसरी तरफ, जोमी काउंसिल स्टीयरिंग कमेटी के संयोजक ने फैसले का स्वागत किया। आईटीएलएफ के प्रवक्ता गिंजा वुआलजोंग ने मैतेई समुदाय की मांग को बकवास बताते हुए कहा कि यह आदिवासियों की जमीन हथियाने जैसे उद्देश्यों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि एडवांस ग्रुप होने के नाते मैतेई समुदाय को एसटी दर्जे की मांग नहीं करनी चाहिए।

संदेशखाली : ग्रामीणों ने तृणमूल कांग्रेस नेता को पीटा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब खबर है कि ग्रामीणों ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक नेता अजीत मैती के साथ मारपीट की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। संदेशखली के बेरमाजपुर गांव में भी आज ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। पिछले दस दिनों से ज्यादा समय से इलाके में तनाव बना हुआ है। दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुप्रतिम सरकार और बारासात रेंज के उप महानिरीक्षक भास्कर मुखर्जी अपनी टीम के साथ ग्रामीणों को शांत करने के लिए पहुंचे। एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम दर्द -शेष पृष्ठ दो पर

गर्म पानी में गिरने से ढाई साल के बच्चे मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में गर्म पानी की बाल्टी में गिरने से ढाई वर्षीय एक बच्चे की झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह घटना सोमवार को सोहना इलाके के दमदमा ढाणी गांव में हुई और गुरूवार की दोपहर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सोमवार को बच्चे की मां ने उसे छत पर अकेला छोड़ दिया था और वहां -शेष पृष्ठ दो पर

विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को दी रूस-यूक्रेन संघर्ष से दूर रहने की सलाह

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने आज स्वीकार किया है कि कुछ भारतीय रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच रूसी सेना में भूमिका निभा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को संघर्ष से दूर रहने का परामर्श जारी किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में एक बयान जारी किया है। उनका कहना है कि भारतीयों ने रूसी सेना में सहयोगी नौकरियों के लिए करार किए हैं। इसकी हमें जानकारी है। भारतीय दूतावास लगातार संबंधित रूसी प्राधिकार से उन्हें जल्द से जल्द कार्यमुक्त करने के लिए कहा है। साथ ही हम भारतीय नागरिकों से आग्रह -शेष पृष्ठ दो पर

भारत नौसेना ने खोजा पाकिस्तानी पनडुब्बी *गाजी* का मलबा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने पानी के अंदर पनडुब्बी की खोज और बचाव क्षमता हासिल की है। भारत ने अपने कई मित्र देशों के साथ अपनी पनडुब्बी बचाव क्षमताओं के लिए पेशकश की है, जिसमें कई देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। नौसेना की डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल (डीएसआरवी) यूनिट ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 1971 में विशाखापट्टनम तट के पास डूबी पाकिस्तानी पनडुब्बी *पीएनएस गाजी* का मलबा खोजा है। इसके अलावा जापानी पनडुब्बी आरओ-110 का मलबा भी पिछले 80 वर्षों से बंदरगाह शहर के पास समुद्र तल पर पड़ा हुआ है। भारतीय नौसेना की विशाखापट्टनम में स्थित डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल (डीएसआरवी) यूनिट के ऑफिसर इंचार्ज कैप्टन विकास गौतम ने बताया कि भारतीय नौसेना के पास समुद्र की गहराई में जलमग्न पोत की बचाव क्षमता है। इस प्रणाली में संकटग्रस्त पनडुब्बी का पता लगाने के लिए एक साइड स्कैन सोनार है, जो दूर से संचालित वाहन (आरओवी) की मदद से आपातकालीन कंटेनरों को तैनात करके पनडुब्बी के चालक दल को बचाता है। दरअसल, पनडुब्बी दुर्घटना में तीव्रता के साथ जीवन की सुरक्षा सबसे -शेष पृष्ठ दो पर

आदित्य एल-1 मिशन को मिली कामयाबी

सूर्य की सतह पर होने वाले कोरोनल मास इजेक्शन को लेकर किया अहम खुलासा

नई दिल्ली। इसरो के सौर मिशन आदित्य एल1 को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल आदित्य एल1 पर लगे एक पेलोड के एडवांस्ड सेंसर ने सूर्य की सतह पर होने वाले कोरोनल मास इजेक्शन के प्रभाव को लेकर अहम खुलासा किया है। सेंसर से कोरोनल मास इजेक्शन के दौरान भारी संख्या में सौर पवन में इलेक्ट्रॉन और आयन की संख्या में जबरदस्त इजाफा देखा गया। जिस पेलोड के सेंसर्स ने यह पता लगाया है, वह प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य (पापा) है। इसरो ने बताया कि पेलोड पापा को पवन ऊर्जा इलेक्ट्रॉन और आयन की समीक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें दो सेंसर सोलर विंड इलेक्ट्रॉन एनर्जी प्रोब (स्वीप) और सोलर विंड आयन कंपोजिशन एनालाइजर (स्वीकार) लगे हैं। स्वीप सेंसर 10ईवी से लेकर 3 केईवी की रेंज के इलेक्ट्रॉन की गणना -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दोषियों को सजा मिलने तक शुभकरण का अंतिम संस्कार नहीं : किसान नेता

नई दिल्ली। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर *दिल्ली चलो* विरोध प्रदर्शन में शामिल नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि हरियाणा पुलिस की पंजाब के किसानों के साथ हुई झड़प के दौरान मारे गए शुभकरण सिंह का अंतिम संस्कार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक पंजाब सरकार घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं करती। यह घटनाक्रम पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से एक करोड़ रुपये का मुआवजा और शुभकरण की बहन को सरकारी नौकरी देने की घोषणा के बाद सामने आया। पंजाब के बठिंडा निवासी शुभकरण सिंह (21) की मौत पंजाब और हरियाणा की सीमा खनौरी में बुधवार को हरियाणा पुलिस और पंजाब के किसानों के बीच हुई झड़प के दौरान हो गई थी। यह घटना तब हुई जब किसानों को रोकने के लिए हरियाणा प्रशासन द्वारा लगाए गए कई स्तर के अवरोधकों को उन्होंने तोड़ने की कोशिश की और पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई। पटियाला स्थित राजेंद्र अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक के अनुसार शुभकरण के सिर पर चोट लगी थी। किसानों द्वारा अपनी मांगें मानने के लिए दबाव डालने के कारण पोस्टमार्टम में देरी हुई। पटियाला में संवाददाताओं से बातचीत में किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने जोर दिया था कि शुभकरण की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन अब अधिकारियों ने बताया कि यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने (शुभकरण के) परिवार से कहा कि इसमें दो दिन या 10 दिन लगे। हमारे लिए पैसे महत्वपूर्ण नहीं है। हम प्राथमिकी दर्ज करने की मांग कर रहे हैं और उसके बाद ही अंतिम संस्कार होगा। पंधेर ने पंजाब सरकार के अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे शुभकरण के परिवार पर अंतिम संस्कार के लिए सहमत होने के लिए *दबाव* डाल रहे हैं। एक सवाल के जवाब में किसान मजदूर मोर्चा के साथ *दिल्ली चलो* मार्च का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने दावा किया कि बठिंडा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि पुलिस हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं कर सकी है। उन्होंने कहा कि अगर आप प्राथमिकी दर्ज नहीं कर सकते तो खुद को *पंजाब दे राखे* (पंजाब का रक्षक) कैसे कह सकते हैं? डल्लेवाल ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बताया कि अगर वे प्राथमिकी दर्ज करते हैं तो हरियाणा के सुरक्षाकर्मी भी जवाब में ऐसा ही करेंगे। एक अन्य सवाल के जवाब में डल्लेवाल ने कहा कि हमारे आंदोलन के दौरान एक युवक की मौत हो गई। हमारी प्राथमिकता उसके लिए न्याय सुनिश्चित करना है।

पुलिस मुठभेड़ में ड्रग्स तस्कर घायल

होजाई (हिंस)। लमडिंग में पुलिस के साथ हुए मुठभेड़ में एक शातिर ड्रग्स तस्कर घायल हो गया। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी करने पहुंची पुलिस की एक टीम पर तस्कर के परिवार वालों द्वारा पथराव किया गया। जिसमें एक होमगार्ड का जवान प्रणब पाठक घायल हो गया। इस दौरान तस्कर फरार होने में कामयाब रहा। बाद में फिर से पहुंची पुलिस की टीम को देखकर उसने गोलीबाड़ी शुरू कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी गोलीबाड़ी में तस्कर घायल हो गया। गोली तस्कर के बाएं पैर के घुटने के नीचे लगी। उसे घायल अवस्था में लमडिंग सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल तस्कर की पहचान लमडिंग आईओसी के निकटवर्ती अबुल अली (28) के रूप में हुई है।

HAILAKANDI !!! ASSAM !!!
Report on Missing

The above is the photograph of missing Bijoya Dutta Choudhury, age- 25 yrs. W/O Pintu Ree, Vill- Madhabpur, P.S. : Ramnathpur, Dist: Hailakandi, who has been missing since 11.02.2024. This refers to Ramnathpur PS MMR No. 03/24 dated 13.02.2024.

Descriptive roll of missing Bijoya Dutta Choudhury is given below: -

a) Height - 4 ft 08 inches.
b) Complexion - Fair
c) Built - Lean.
d) Hair - Long Black
e) Face - Oval-shaped.
f) Languape spoken - Bengali.

Kindly take necessary action to trace out/ rescue the above noted missing/kidnapped victim at the earliest and result thereof may be intimated to the O/C. Ramnathpur P.S. at Mobile No. **6026900625** for further needful action.

-- Janasanyog /D/ 18305 / 23/ 24-Feb-24 **Superintendent of Police, Hailakandi**

विस में अखिल गोगोई का संकल्प प्रस्ताव बहुमत से खारिज

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के बजट सत्र का आज 11वां दिन है। सत्तापक्ष एवं विपक्ष के विधायकों ने सदन में आज जमकर हंगामा किया। इसी बीच आज विपक्षी विधायक के एक प्रस्ताव के दौरान सदन में हंगामा हो गया। सदन में आज पहली बार शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई के प्रस्ताव पर वोटिंग ने विपक्ष को एकजुट कर दिया। ज्ञात हो कि विधायक गोगोई ने असम की कृषि भूमि को हर समय पानी उपलब्ध कराकर असम को हर मौसम में कृषि के लिए उपयुक्त राज्य बनाने का संकल्प प्रस्ताव पेश किया। अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने शुरू में मौखिक आधार पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया, लेकिन अखिल गोगोई सहित विपक्षी विधायकों ने सदन में मतदान की मांग की। इस बीच, अध्यक्ष ने विपक्ष की पुरजोर मांग पर मतदान की व्यवस्था करने के लिए सदन की कार्रवाई 10 मिनट के लिए स्थगित करने की घोषणा की। विपक्ष की मांग पर 10 मिनट बाद मतदान हुआ। इस मतदान प्रक्रिया के बाद विधानसभा अध्यक्ष की ओर से नतीजों की घोषणा की गई। सत्ताधारी दल को 39 और विपक्ष को 30 वोट मिले। नतीजतन सत्ताधारी दल का वोट ज्यादा होने यानी प्रस्ताव के खिलाफ ज्यादा वोट पड़ने के कारण स्पीकर ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

केआईयूजी अष्टलक्ष्मी : अपने गृहराज्य में रग्बी का ध्वजवाहक बनना चाहते हैं अगाली

गुवाहाटी। अरुणाचल प्रदेश के अगाली लिंगफा को इस बात की चिंता है कि गुवाहाटी से जब वह अपने गृहराज्य वापस चले जाएंगे तो रग्बी के प्रति उनका नया प्यार अधूरा रह जाएगा क्योंकि उनके राज्य में इस खेल के बारे में कोई नहीं जानता। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), गुजरात का प्रतिनिधित्व करते हुए अगाली ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2023-अष्टलक्ष्मी में अपना काम पूरा कर लिया है । उनकी टीम अपने सभी चार मैच हारकर बाहर हो गई है लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के बावजूद, 21 वर्षीय अरुणाचली रग्बी खिलाड़ी में प्रेरणा और उत्साह की कोई कमी नहीं है। अब वह अपने गृह राज्य में इस खेल के बीज बोने के लिए उत्सुक हैं। अगाली ने पूर्वी कामेंग जिले के सेपा में एक फुटबॉलर के रूप में शुरुआत की और कुछ महीने पहले आरआरयू, गुजरात टीम के लिए चुने जाने के बाद ही रग्बी खिलाड़ी बन गए। वह इस खेल के लिए आवश्यक शक्ति और गति से तुरंत मोहित हो गए और गुजरात में अपने कार्यकाल से प्राप्त सीमित ज्ञान का उपयोग करके पासीघाट में एक टीम बनाना चाहते हैं। अगाली ने कहा कि मुझे जल्द ही राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के पासीघाट परिसर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और परिसर में कोई रग्बी टीम नहीं है। इसलिए, जब मैं कैंपस में शामिल होऊंगा, तो अपने कोचों से जो भी बुनियादी चीजें मैंने सीखी हैं, उनके साथ एक टीम बनाने की कोशिश करूंगा। अगाली ने आगे कहा कि अरुणाचल में इस खेल के बारे में कोई नहीं जानता। यह राज्य के लिए एक नया खेल है।

सड़क हादसे में कार चालक की मौत

दरंग (हिंस)। दरंग जिलांतर्गत शिलबाड़ी में सड़क किनारे खड़े ट्रक से एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने टक्कर मार दी। हादसे में कार चालक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि दलगांव से शिलबाड़ी की ओर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार (एएस-01ईएम-4746) ने बीती देर रात शिलबाड़ी में सड़क किनारे खड़े ट्रक (एचपी-96-3592) को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान सिराजुली, रहमानपुर निवासी मोशर्रफ अली के रूप में हुई है। तेज रफ्तार कार हादसे के दौरान पूरी तरह से चकनाचूर हो गई।

पृष्ठ एक का शेष

गुवाहाटी में लगाए ...

इसे रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है? विधायक ने विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की भी इस दौरान सलाह दी। अपने उत्तर में मंत्री सिंधल ने कहा कि एक समय था जब वे बचपन में स्वयं भरलु नदी में स्नान करते थे। आज स्थिति यह हो गई है कि यह नाले में बदल गया है। उन्होंने कहा कि भरलु, मरा भरलु, बाहिनी नदी तथा लक्षीजान आदि नदियों की नाले जैसी स्थिति इसलिए हो गई है कि समय रहते इसे बचाने के लिए उचित व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसे पुनर्जीवित करने की चेष्टा कर रही है। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में सरकार एटीपी प्लांट लगाने की योजना पर कार्य कर रही है। इसके लग जाने से शहर के लैट्रिन की गंदगी नालों तथा नदियों तक नहीं पहुंच पाएगी, जिससे काफी हद तक ये नदियां साफ हो सकेंगी। मंत्री ने कहा कि शहर के कचरे को सही तरीके से निपटने के लिए कचरा उठाने की व्यवस्था की जा चुकी है, जिसे सफल बनाने के लिए गुवाहाटी के नागरिकों को काम करना होगा। उन्होंने कहा कि विधायक रमेंद्र नारायण कलिता जीएमसी के सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्हें इस दिशा में समय-समय पर उचित परामर्श सरकार को देना चाहिए। मंत्री ने कहा कि गुवाहाटी को साफ रखने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

मामला राज्य सरकार...

तर्ज पर आरक्षण कानून लागू करने की भी प्रार्थना की गई। असम राज्य ने जवाब दिया कि असम समझौते की शर्तों के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दा सरकार द्वारा विचाराधीन है। असम राज्य की ओर से पेश वकील ने कहा कि कैबिनेट मंत्री की अध्यक्षता में एक समिति पहले ही गठित की जा चुकी है जो समझौता ज्ञापन (असम समझौते) के प्रावधानों के कार्यान्वयन के मुद्दे की जांच कर रही है और समितियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न रिपोर्टों पर भी विचार कर रही है।

राज्यों को विशेष ...

दिया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को केंद्र एवं राज्यों द्वारा लागू किया जा रहा है। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि न्यायिक समीक्षा का विषय नीति की वैधता होगी, न कि नीति की सुदृढ़ता। पीठ ने कहा कि यह अच्छी तरह स्थापित है कि नीतिगत मामलों की जांच में न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित है। अदालतें किसी नीति के सही होने या नहीं होने और उसकी उपयुक्तता की जांच नहीं करतीं और न ही कर सकती हैं। न ही अदालतें नीतिगत मामलों में कार्यपालिका की सलाहकार हैं जिन्हें बनाने का अधिकार कार्यपालिका का है। अदालतें राज्यों को इस आधार पर किसी विशेष नीति या योजना को लागू करने का निर्देश नहीं दे सकतीं कि बेहतर, निष्पक्ष या बुद्धिमानीपूर्ण विकल्प उपलब्ध है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वैकल्पिक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का विकल्प खुला है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब खाद्य एवं पोषण की सुरक्षा प्रदान करने के लिए अधिकार आधारित दृष्टिकोण से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लागू है और जब उक्त अधिनियम के तहत केंद्र व राज्यों द्वारा अन्य कल्याणकारी योजनाएं भी बनाई और लागू की गई हैं ताकि गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए लोगों को किफायती मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो सके तो हम इस दिशा में कोई और प्रस्ताव नहीं करते। पीठ ने कहा कि हमने इस बात की जांच नहीं की है कि एनएफएसए के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सामुदायिक रसोई की अवधारणा राज्यों के लिए बेहतर या बुद्धिमानी पूर्ण विकल्प है या नहीं, इसके बजाय हम ऐसी वैकल्पिक कल्याणकारी योजनाओं का पता लगाने के लिए इसे राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों पर छोड़ना पसंद करेंगे जिनकी एनएफएसए के तहत अनुमति है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सामाजिक कार्यकर्ता अनुन धवन, इशान सिंह और कुंजन सिंह द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर आया है जिसमें भूख और कुपोषण से निपटने के लिए सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को सामुदायिक रसोई की एक योजना तैयार करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

कांग्रेस ने सरकार को ...

और दास तरुण गोगोई सरकार में मंत्री थे। पुरकायस्थ, जो अपने एनएसयूआई दिनों से कई दशकों तक कांग्रेस में रहे हैं, 2021 में करीमगंज जिले के करीमगंज उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए। दास ने मंगलदोई सीट से विधानसभा चुनाव जीता। आधिकारिक तौर पर, 126 सदस्यीय असम विधानसभा में भाजपा की ताकत 61 है, जबकि उसके सहयोगी यूपीपीएल के सात और एजीपी के नौ विधायक हैं। विपक्षी खेमे में कांग्रेस की ताकत 27, एआईयूडीएफ के 15, बीपीएफ के तीन और सीपीआई (एम) के एक विधायक हैं। एक निर्दलीय विधायक भी है।

मरियम नवाज बनेंगी...

का हलफनामा चुनाव आयोग को सौंप दिया है। मरियम पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी हैं। पंजाब पहला प्रांत है, जो अपना उद्घाटन सत्र शुक्रवार को बुला रहा है। गवर्नर हाउस के प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि पंजाब के राज्यपाल बालीघुर रहमान ने शुक्रवार को पंजाब विधानसभा सत्र बुलाया है जिसमें विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे और नई सरकार का गठन शुरू होगा। बता दें कि 50 वर्षीय मरियम पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं। उन्हें पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ का राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता है। नवाज शरीफ ने अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ को अपनी पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। वहीं, पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थन से जीते नेशनल असेंबली व प्रांतीय असेंबली के निर्दलीय सदस्य कट्टरपंथी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल हो गए हैं। इससे वे महिलाओं व अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटों के कोटे में हिस्सेदारी का दावा कर सकेंगे। पीटीआई समर्थित निर्दलियों ने बुधवार को इस आशय का हलफनामा चुनाव आयोग को सौंप दिया। रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल असेंबली के 89 सदस्यों, खैबर पख्तूनख्वा असेंबली के 85 सदस्यों, पंजाब असेंबली के 106 सदस्यों और सिंध असेंबली के नौ सदस्यों ने अपने हलफनामे जमा किए हैं। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख बैरिस्टर गौहर खान और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार उमर अयूब खान सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) में शामिल नहीं हुए। इसके अलावा खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री पद के लिए पीटीआई उम्मीदवार अली अमीन गंडापुर ने भी एसआईसी की सदस्यता नहीं ली। माना जा रहा है कि ये लोग एसआईसी में इसलिए नहीं शामिल हुए जिससे पार्टी के संगठनात्मक चुनावों में ये बड़े पदों के प्रत्याशी बन सकें। पीटीआई ने आगामी तीन मार्च को पार्टी के संगठनात्मक चुनाव कराने का एलान किया है।

जाति की भलाई ...

मानवता का नुकसान करता है। संतों की वाणी हमें रास्ता भी दिखाती है और सावधान भी करती है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज देश के हर दलित, पिछड़े को एक और बात ध्यान रखनी है। हमारे देश में जाति के नाम पर उकसाने और उन्हें लड़ाने में भरोसा रखने वाले इंडी गठबंधन के लोग दलित, वंचित के हित की योजनाओं का बड़ा विरोध करते हैं। जाति की भलाई के नाम पर ये लोग सिर्फ अपने परिवार के स्वार्थ की राजनीति करते हैं। परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार के बाहर किसी दलित और आदिवासी को आगे नहीं बढ़ने देना चाहतीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में पहली आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनने का किन-किन लोगों ने विरोध किया था, ये हर कोई जानता है। ये सब वही परिवारवादी पार्टियां हैं, जिन्हें चुनाव के वक्त दलित की याद आने लगती है। हमें इनसे सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि सांसद होने के नाते, वाराणसी का जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरी विशेष जिम्मेदारी भी बनती है कि मैं बनारस में आप सबका स्वागत करूं, आप सबकी सुविधाओं का खास खयाल भी रखूं। मुझे खुशी है कि संत रविदास जयंती पर मुझे इन दायित्वों को पूरा करने का अवसर मिला है। आज मुझे संत रविदास की नई प्रतिमा के लोकार्पण का भी सौभाग्य मिला है। संत रविदास म्यूजियम की आधारशिला भी आज रखी है। मैं आप सभी को इन विकास कार्यों की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज वाराणसी से हजारों करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास होने जा रहा है जिससे जनता को लाभ मिलेगा। इस योजना में रविदास मंदिर के लिए भी कार्य होगा। सड़कों से लेकर भजन-कीर्तन के लिए भी सुविधाएं दी जाएंगी। ताकि भक्तों को आध्यात्मिक लाभ मिले साथ ही उनकी कई परेशानियों से छुटकारा मिल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं राजनीति में नहीं था तब भी संत रविदास की शिक्षाओं से मार्गदर्शन प्राप्त करता था। मेरे मन में भावना थी कि उनकी सेवा का अवसर मिले। आज काशी ही नहीं पूरे देश में उनकी शिक्षाओं का प्रसार किया जा रहा है। हाल ही में मध्य प्रदेश के सतना में संत रविदास स्मारक कला केंद्र के शिलान्यास का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज काशी की धरती पर संत गुरु रविदास की 647वीं जयंती के कार्यक्रम के आयोजन पर प्रधानमंत्री का आगमन हुआ है। मैं इस अवसर पर उनका स्वागत करता हूं। अभी प्रधानमंत्री ने संत रविदास की प्रतिमा का अनावरण किया है। मैं संत रविदास के सभी भक्तों और अनुयायियों को इस अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। सीर गोवर्धन में तीसरी बार पहुंचे प्रधानमंत्री का रविदास मंदिर के जनरल सेक्रेटरी सतपाल बिरदी ने गुरु दरबार की तरफ से सरोपा और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, अखिल भारतीय रविदास धर्म संगठन के उपाध्यक्ष नवदीप दास, पूर्व सांसद विजय सांपला, एसएस ढिल्लो, सतपाल, प्रदीप दास आदि उपस्थित रहे।

संदेशखाली : ग्रामीणों ने ...

के मारे यह कह रहे हैं। वे (टीएमसी नेता शाहजहां शेख के सहयोगी) हमारे घरों में क्यों घुस रहे हैं? वे मेरे ससुराल वालों को धमका रहे हैं। वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? पुलिस ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की और कहा कि वह स्थिति को हल करने के लिए कदम उठा रहे हैं। इस पर महिला ने सवाल उठाया कि आप अब आ रहे हैं। आप पहले कहां थे? इस बीच, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक टीम पीड़ितों से मिलने के लिए संदेशखाली के पतरापाड़ा पहुंची। टीम घटनास्थल पर पहुंचकर कथित हिंसक घटनाओं के तथ्यों का पता लगाने के लिए आई है। आयोग ने पाया है कि संदेशखाली की हालिया घटनाएं पहली नजर में मानवाधिकारों के उल्लंघन की ओर इशारा कर रही हैं, जैसा कि विभिन्न प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रिपोर्ट किया गया है। इससे पहले मंगलवार को एनएचआरसी ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया था। उनसे उस मामले में दो हफ्ते के भीतर मामले पर एक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया था कि जिसमें एक समाचार चैनल के पत्रकार को संदेशखाली में पुलिस ने हिरासत में लिया था। आयोग ने फोन कर उपनिरीक्षक (जांच) से बात की और उन्हें तथ्यों का पता लगाने और एक हफ्ते के भीतर आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंपने को भी कहा है। वहीं, लगातार दूसरे दिन संदेशखली पहुंचे डीजीपी राजीव कुमार ने कहा कि पुलिस की भूमिका संदेशखाली में कानून का शासन बनाए रखना है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे कानून को अपने हाथों में न लें। कुमार ने कहा कि हम सभी को यहां कानून का शासन स्थापित करने की जरूरत है। कानून के शासन का मतलब यह नहीं है कि मेरे साथ गलत हुआ है, इसलिए मैं कानून अपने हाथों में ले लूंगा। हमें प्रक्रिया का पालन करना होगा। हम इसे हर जगह कर रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों के सामने एक ग्रामीण से कहा कि हम यहां शिविर लगा रहे हैं। हम आपसे सभी शिकायतें भी लेंगे। उन्होंने अपने साथी अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि इनका फोन नंबर ले लें और बयान दर्ज करें। कुमार ने कहा कि कुछ शरारती तत्व स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नहीं चाहते हैं और नई समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ लोग नहीं चाहते कि समस्याएं जल्दी हल हों। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई कानून अपने हाथ में लेता है तो हम उसके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करेंगे। कुमार ने मीडिया से अपील की कि वह संदेशखाली के मुद्दे को सनसनीखेज बनाकर न पेश करें। डीजीपी ने कहा कि आज पहले पन्ने पर यह छपा है कि कुछ लोगों ने जमीन के एक टुकड़े पर कब्जा कर लिया है। ऐसी पीत पत्रकारिता गलत है। शिकायतकर्ताओं में से एक ने कहा कि उसका घर एक साल पहले नष्ट कर दिया गया था। इस पर डीजीपी ने कहा कि हम निश्चित रूप से इसकी जांच करेंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें किसी का भी घर तोड़ने का अधिकार है। वहीं कोलकाता में भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने कहा कि मुझे पुलिस ने बिना किसी सूचना के हिरासत में लिया। मैं संदेशखाली जाऊंगी। अगर (मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी महिला होने के वहां नहीं गई हैं, तो हमें वहां जाना होगा। मुझे भरोसा है कि प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) महिलाओं के लिए कुछ करेंगे।

गर्म पानी में ...

गर्म पानी की बाल्टी रखी थी। सोहना शहर पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कुछ मिनट बाद जब वह लौटी तो देखा कि उसका बेटा बाल्टी में गिर गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया और उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। कुमार ने कहा कि हमने मृत बच्चे के एक रिश्तेदार के बयान के आधार पर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-174 के तहत कार्रवाई की है।

विदेश मंत्रालय ने ...

करते हैं कि संघर्ष से दूरी बनाएं और उससे जुड़े कामों को लेकर सतर्कता बरतें। उल्लेखनीय है कि ऐसी रिपोर्टें सामने आईं कि दर्जनों भारतीय धोखे से रूसी सेना में सेवा दे रहे हैं। भारतीयों को सहायक नौकरियों का वादा कर रूसी सेना में भर्ती कर लिया गया है। दस्तावेजों के गलत अनुवाद और उनकी प्रारंभिक समझ के उलट उन्हें सैन्य प्रशिक्षण से गुजरना पड़ रहा है।

चीन में बौद्ध ...

कि प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी सिचुआन में कार्दजे तिब्बती स्वायत्त प्रांत में हुई, जो तिब्बतियों की एक बड़ी आबादी वाला क्षेत्र है। बांध के निर्माण के खिलाफ उठी आवाज को दबाने के लिए चीनी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारें, काली मिर्च स्प्रे जैसे चीजों का इस्तेमाल किया। विरोध प्रदर्शन में कई बौद्ध भिक्षु शामिल हैं। चीन द्वारा जारी वीडियो में भिक्षुओं को सुरक्षा अधिकारियों के सामने झुकते हुए दिखाया गया है। विरोध प्रदर्शन वीडियो में काले कपड़े पहने चीनी अधिकारियों को भिक्षुओं को जबरन रोकते हुए दिखाया गया है, जिन्हें बांध के खिलाफ विरोध करते हुए सुना जा सकता है। आरएफए की रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगटुओ जलविद्युत बांध के निर्माण से डेगे काउंटी में ऊपरी वोंटो और शिपा गांवों, येना, वोंटो और खारधो मठों और चामडो टाउनशिप में रबटेन, गोंसार और ताशी मठों के पुनर्वास को मजबूर होना पड़ेगा।

भारत नौसेना ने ...

महत्वपूर्ण है। इसलिए इस सिस्टम को फ्लाईअवे कॉन्फिगरेशन में खरीदा गया है जो वायु, भूमि, समुद्री जहाजों का उपयोग करके बेस से संकटग्रस्त पनडुब्बी के सटीक स्थान तक बचाव प्रणाली के तेजी से परिवहन की अनुमति देता है। कैप्टन गौतम ने बताया कि 2018 में भारत ने डूबे हुए जहाजों और पनडुब्बियों का पता लगाने और आवश्यकतानुसार बचाव अभियान चलाने के लिए गहरे जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) तैनात करने की क्षमता प्राप्त की। दुर्घटनाग्रस्त पनडुब्बी को बचाने की यह सुविधा कुछ चुनिंदा देशों के पास ही है लेकिन भारतीय डीएसआरवी प्रौद्योगिकी और क्षमताओं के मामले में नवीनतम है। पनडुब्बी आकस्मिकता से निपटने के लिए भारत को यह प्रौद्योगिकी ब्रिटेन की कंपनी जेम्स फिशेज डिफेंस ने आपूर्ति की है, जो भारत के पश्चिमी और पूर्वी तट पर स्थापित की गई हैं। इस प्रौद्योगिकी में विभिन्न प्रकार की पनडुब्बियों को समुद्र के भीतर खोजने के साथ ही कर्मियों को बचाकर पनडुब्बी से डीएसआरवी में सुरक्षित स्थानांतरण किया जा सकता है। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बचाव इकाई के वरिष्ठ अधिकारी ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 1971 में विशाखापट्टनम तट के पास डूबी पाकिस्तानी पनडुब्बी गाजी के मलबे की खोज का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 53 साल पहले खोई हुई इस पनडुब्बी का हमने डीएसआरवी से पता लगाया है। यह खोज विशाखापट्टनम तट से कुछ ही समुद्री मील की दूरी पर की गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका से पट्टे पर ली गई पीएनएस गाज़ी ने दिसंबर, 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में डूबने तक पाकिस्तानी नौसेना के लिए प्रमुख पनडुब्बी के रूप में काम किया था, जिसमें सवार सभी 93 कर्मियों की जान चली गई थी। उन्होंने बताया कि हासिल की गई इन क्षमताओं को अज्ञात समुद्री धाराओं के मानचित्रण के लिए महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है, जो भारतीय नौसेना के पानी के नीचे प्लेटफार्मों के लिए उन्नत नेविगेशन समर्थन प्रदान करता है। लगभग 16 मीटर की औसत गहराई के कारण विशाखापट्टनम उन कुछ बंदरगाह शहरों में से एक है, जहां समुद्र में चलने वाले जहाजों के लिए गहरे प्रवेश द्वार हैं। यहां की प्राकृतिक खूबियों से पनडुब्बियों को तट के नजदीक तक संचालित किया जा सकता है। इसी अनूठी विशेषता के कारण भारत के साथ युद्ध के दौरान पाकिस्तानी नौसेना की पनडुब्बी पीएनएस गाजी विशाखापट्टनम तट के पास गश्त करने आई थी और डूबकर खो गई थी। हालांकि, भारत विशाखापट्टनम तट पर पाकिस्तानी पनडुब्बी को डुबोने के लिए अपने आईएनएस *राजपूत* को श्रेय देता है लेकिन पाकिस्तान इसकी वजह आंतरिक विस्फोट और विशाखापट्टनम बंदरगाह की सुरक्षा के लिए तैनात भारतीय बारूदी सुरंगों को बताता है। उन्होंने बताया कि पीएनएस गाजी के अलावा जापानी पनडुब्बी आरओ-110 का मलबा भी पिछले 80 वर्षों से बंदरगाह शहर के पास समुद्र तल पर पड़ा हुआ है। यह पनडुब्बी द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रॉयल इंडियन नेवी के एचएमआईएस जमना और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के जहाज इप्सविच से जारी किए गए डेप्थ चार्ज के कारण डूब गई थी। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में यह सुविधा भारत के साथ-साथ अमेरिका, चीन, रूस और सिंगापुर के अलावा 12 देशों के पास है। पनडुब्बी क्षमता वाले लगभग 40 देशों में से भारत सबसे आगे है। भारत ने पनडुब्बी बचाव कार्यों के लिए स्वदेशी रूप से दो डाइविंग सपोर्ट जहाज (डीएसवी) निर्मित किए हैं, जिन्हें विशाखापट्टनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) में जल्द शामिल किए जाने की उम्मीद है। समुद्र में 650 मीटर की गहराई तक काम करने में सक्षम यह उन्नत तकनीक क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

सूर्य की सतह पर ...

करता है। वहीं स्वीकार 10ईवी से लेकर 25 केईवी के बीच के इलेक्ट्रॉन की गणना करता है। इन सेंसर्स की मदद से सौर पवन की दिशा का भी पता लगाया जा सकता है। पेलोड पापा को विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर की स्पेस फिजिक्स लेबोरेट्री एंड एवियोनिक्स एनटिटी द्वारा विकसित किया गया है। इसरो ने बताया कि सूर्य की सतह पर कोरोनल मास इजेक्शन की घटना को पहले 15 दिसंबर 2023 को और फिर 10-11 फरवरी 2024 को पेलोड पापा द्वारा दर्ज की गई। पेलोड पापा को विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर की स्पेस फिजिक्स लेबोरेट्री एंड एवियोनिक्स एनटिटी द्वारा विकसित किया गया है। इसरो ने बताया कि सूर्य की सतह पर कोरोनल मास इजेक्शन की घटना को पहले 15 दिसंबर 2023 को और फिर 10-11 फरवरी 2024 को पेलोड पापा द्वारा दर्ज की गई। इसरो ने बयान जारी कर बताया है कि 15 दिसंबर, 2023 को एक बार कोरोना मास इजेक्शन की प्रक्रिया हुई। इस दौरान पेलोड पापा ने पाया कि कुल इलेक्ट्रॉन और आयन गिनती में अचानक वृद्धि हुई और एल1 बिंदु पर डीप स्पेस क्लाइमेट ऑब्जर्वेटरी और एडवांस्ड कंपोजिशन एक्सप्लोरर उपग्रहों से प्राप्त समय भिन्नता और सौर पवन मापदंडों और चुंबकीय क्षेत्र माप में भी समानता पाई गई। वहीं 10-11 फरवरी को हुई कोरोनल मास इजेक्शन की छोटी-छोटी कई घटनाएं हुईं और उस दौरान इलेक्ट्रॉन आयन और समय भिन्नता में अंतर मिला। आदित्य एल1 पर लगे पेलोड लगातार सौर पवन का अध्ययन कर रहे हैं। आदित्य एल1 से मिली ये जानकारी अंतरिक्ष के मौसम का मॉनिटरिंग करने में अहम साबित हो सकती है। इसरो ने बीते साल 2 सितंबर को अपने लॉन्च व्हीकल पीएसएलवी-सी57 से आदित्य एल1 मिशन को लॉन्च किया था।

वैज्ञानिक पद्धति से हो रही गुवाहाटी का कचरा निपटान की व्यवस्था : अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल ने कहा है कि गुवाहाटी में कचरा निपटान की व्यवस्था वैज्ञानिक पद्धति से की जा रही है। सरकार द्वारा 300 बीघा भूमि कचरा निपटान संबंधी मशीन आदि लगाने के लिए अधिग्रहित की जा रही है। उन्होंने कहा कि असम अर्बन सर्विस पोर्टल के जरिए कचरा ले जाने वाली गाड़ियों का जीपीएस मॉनिटरिंग हो रहा है। मंत्री अशोक सिंघल शुक्रवार को असम विधानसभा के चालू बजट अधिवेशन के दौरान गुवाहाटी स्मार्ट सिटी से संबंधित विधायक मनोरंजन तालुकदार के प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। विधायक तालुकदार ने सवाल उठाया कि देश के 100 स्मार्ट सिटी की रैंकिंग में गुवाहाटी का स्थान 97वां है। विधायक ने कहा कि गुवाहाटी में 11 करोड़ रुपए वार्षिक मेंटेनेंस पर खर्च करके टॉयलेट और वॉटर वेंडिंग मशीन लगाए गए थे, लेकिन आज वे कार्य नहीं कर रहे हैं। विधायक ने पूछा कि क्या सरकार इस काम में लगी दोनों कंपनियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई करेगी। इसी सिलसिले में विधायक भरत नरह ने पूछा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में राज्य के 27 राज्यों में से गुवाहाटी का स्थान 20वां है। जबकि, 36 राजधानी शहरों में से गुवाहाटी का स्थान स्वच्छता में 31वां है। इस दिशा में सरकार क्या कार्य कर रही है? भरत नरह ने कहा कि सरकार ढाई साल के कार्यकाल की बात कह रही है, जबकि भाजपा सरकार के कार्यकाल का आठ वर्ष पूरा होने वाला है। सरकार ने इस दिशा में अब तक क्या कार्रवाई की है? मंत्री अशोक सिंघल ने अपने उत्तर में कहा कि स्मार्ट सिटी की रैंकिंग में 97वें स्थान पर गुवाहाटी मार्च 2021 में था। अब गुवाहाटी का स्थान 59वां है। उन्होंने कहा कि 24 में से 18 स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का काम संपूर्ण हो चुका है। जून 2025 के भीतर स्मार्ट सिटी से संबंधित सभी परियोजनाओं का कार्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज भी गुवाहाटी कोच्चि, गांधीनगर, रायपुर आदि जैसे शहरों से स्वच्छता के मामले में ऊपर है। उन्होंने कहा कि शुरुआती दौर में इस दिशा में काम नहीं हुआ था। इस बार जब सर्व होगा तो गुवाहाटी की स्थिति और बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में कचरा आज की समस्या नहीं है। इसके लिए जनता को भी जागरूक करना पड़ेगा। मंत्री ने कहा कि सिर्फ सरकार सब कुछ नहीं कर सकती है। जनता को इस दिशा में एक संदेश जाना चाहिए। गुवाहाटी नगर निगम इसके लिए अलग से बना हुआ है। जहां, मेयर, डिप्टी मेयर तथा 60 सदस्य होते हैं। सभी अपने-अपने तरीके से कार्य कर रहे हैं। मंत्री सिंघल ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। यदि कहीं हुआ है तो सख्त कार्रवाई होगी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, चार घायल

उदालगुड़ी (हिंस)। उदालगुड़ी जिलांतर्गत कलाईगांव बननगुड़ी रोड पर हुई एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा की वजह सड़क के बीच में बने बड़े गड्ढे में एक तेज रफ्तार कार के गिरकर पलटने के चलते हुआ। हादसे में चार अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि एक ऑल्टो कार (एएस-01एमसी-2034) गुवाहाटी से उदालगुड़ी जा रही थी। इसी दौरान बननगुड़ी के चिंतागांव में गत वर्ष आई बाढ़ के चलते सड़क के बीच में बने गड्ढे में कार घुसकर पलट गई। टूटी हुई सड़क पर लोक निर्माण विभाग के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई संकेत नहीं बनाया गया था, जिसके चलते इतना बड़ा हादसा हो गया। बीती देर रात को हुए हादसे में वाहन चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

नवनिर्मित ठाकुरबाड़ी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में राम तथा शिव विवाह कार्यक्रम आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। असम भूमि के गुप्त काशी विश्वनाथ के लिए आज सनातन धर्मावलंबियों के लिए ऐतिहासिक दिन है। 200 साल पुराने नवनिर्मित ठाकुरबाड़ी मंदिर में होने वाले सांकेतिक मूर्तियों प्राण-प्रतिष्ठा के बाद आज बनारस के पंडितों द्वारा विधि -विधान से राम एवं शिव विवाह का कार्यक्रम हुआ। विवाह प्राण- प्रतिष्ठा पूजा का शुभारंभ बनारस के मुख्य पुजारी आचार्य रंजन दुबे, रोहित शास्त्री, अमृत शास्त्री, राकेश शास्त्री, अभिमन्यु शास्त्री आदि के साथ स्थानीय पुजारी गोविन्द शास्त्री के संचालन में मुख्य यजमान लखनलाल अग्रवाल, प्रभुनाथ सिंह अनिल हेडा, सुनील हेडा आदि के द्वारा हुआ। इस मौके स्थानीय पंडित क्रमशः लोकनाथ शास्त्री, गोविन्द शास्त्री, नारायण उपाध्याय, देव आचार्य, उपेन्द्र उपाध्याय, लोकनाथ उपाध्याय आदि उपस्थित थे। जानकारी के अनुसार असम के लखीमपुर, गोगामुख आदि के साथ देश के विभिन्न प्रांतों से श्रद्धालु पहुंचे थे। हजारों से अधिक भक्त शामिल थे, जिन्होंने जय श्री राम के नारे लगाए। भगवान प्रभु श्री राम के भजन में मंदिर में असंख्य भक्त झूम उठे। विभिन्न जातीय समूहों की श्रद्धालु माताएं, महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे शामिल थे। इसमें भजन, कीर्तन, घंटी बजाना, महाआरती आदि जैसे मांगलिक कार्यक्रम होती रही। इधर आज चारों तरफ ढोल नगाड़े, भक्तिमय भजन से गगन के चारों दिशाएं भी भक्तिमय हो उठा। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। तत्पश्चात पुरोहित द्वारा यजमान के उपस्थित में महायज्ञ किया गया। इस मौके पर विश्वनाथ के हजारों श्रद्धालुओं, गहपुर के विधायक उत्पल बोरा तथा नवनिर्मित ठाकुरबाड़ी मंदिर संचालन समिति के समस्त पदाधिकारी के साथ सदस्य व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

24 करोड़ की हेरोइन के साथ कछार पुलिस ने तस्कर को किया गिरफ्तार

कछार (हिंस)। 24 करोड़ रुपए कीमत की हेरोइन के साथ कछार पुलिस ने एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने इस बरामदगी के लिए कछार पुलिस को शाबाशी दी। कछार पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार एक विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने आज तड़के धोलाई थानाक्षेत्र के इस्लामाबाद, बाघा बाजार में ड्रग्स के परिवहन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक संदिग्ध को पकड़ा और तीस (30) साबुनदानी और चार काले चमड़े के बैग बरामद किए। बैग से लगभग 4.765 किलोग्राम हेरोइन बरामद किया गया। पकड़े गए तस्कर की पहचान मोहम्मद अब्दुल हुसैन लस्कर (35) के रूप में हुई है। काले बाजार में नशीले पदार्थ की कीमत करीब 24 करोड़ रुपए आंकी गई है। नशीले पदार्थों की खेप अवैध रूप से मिजोरम के एजल जिले से लाई गई है। पुलिस आगे की जांच जारी रखे हुए है।

ड्रग्स और नगदी के साथ मिजोरम में म्यांमार के तीन नागरिक गिरफ्तार

आइजोल (हिंस)। असम राइफल्स ने मिजोरम में अलग-अलग स्थानों पर चलाए गए अभियानों के दौरान भारी मात्रा में ड्रग्स, नकद, विदेशी बीयर आदि के साथ म्यांमार के तीन नागरिकों को गिरफ्तार किया है। असम राइफल्स ने शुक्रवार को बताया कि तस्करों के खिलाफ गुप्त सूचना के आधार पर असम राइफल्स ने राज्य की हनाहलान थाना पुलिस तथा सीमा शुल्क निवारक बल, चंफाई के साथ संयुक्त अभियान अभियान चलाया गया। इस दौरान म्यांमार के तीन नागरिकों को पकड़ा गया। इनसे

एक करोड़ तीन लाख 97 हजार 500 रुपए और 136 पेटी म्यांमार की बीयर बरामद की गई। तीनों को हनाहलाल पुलिस बीट पोस्ट को सौंप दिया गया है। बरामद अवैध बीयर एवं जब्त की गई नगदी सीमा शुल्क निवारक बल को हस्तांतरित कर दी गई है। एक अन्य अभियान में असम राइफल्स ने चंफाई पुलिस के साथ 11.397 किलोग्राम मेथमफेटामाइन टेबलेट तथा 218 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। इस सिलसिले में आगे के कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

राज्य सरकार के खिलाफ एपीटीयूएफ करेगा चरणबद्ध हड़ताल

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश ट्रेड यूनियन फेडरेशन (एपीटीयूएफ) ने शुक्रवार को अपनी मांगों को पूरा न करने पर आगामी 11 मार्च से राज्य सरकार के खिलाफ चरणबद्ध हड़ताल फिर से शुरू करने का फैसला किया। आज अरुणाचल प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एपीटीयूएफ के महासचिव केनकर योम्चा ने बताया कि हमारे पास पहले 6 सूत्री मांग था, उनमें से दो का समाधान हो चुका है, लेकिन बाकी चार बिंदु अभी भी लंबित हैं और इस संबंध में हमने विभिन्न अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं। 22 सितंबर, 2023 को राज्य भर में चरणबद्ध हड़ताल की भी घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि हमारी हड़ताल के पहले चरण के बाद हमें सचिव श्रम और रोजगार ने बुलाया और हमसे हड़ताल को स्थगित करने की अपील की और हमने उनकी अपील स्वीकार करते हुए तीन महीने तक इंतजार किया, लेकिन राज्य सरकार और विभाग की ओर से कोई जवाब नहीं आया। राज्य सरकार ने भी हमारी चार सूत्रीय मांगपत्र के समाधान हेतु कोई चर्चा नहीं किया। एपीटीयूएफ के नेता ने कहा हमारी मांग जैसे कंप्यूटर ऑपरेटरों सहित डब्ल्यूसी कर्मचारियों के वेतन ग्रेड को 1, 900 रुपए से बढ़ाकर 2, 400 रुपए करना, प्रत्येक इंजीनियरिंग विभाग में एक बार के डब्ल्यूसी पद का सृजन; सेवा में 15 वर्ष पूरे कर चुके आकस्मिक कर्मियों को शीघ्र नियमित करना और एपीएसएसबी साक्षात्कार और परीक्षा से एमटीएस पद को बाहर करना शामिल है। उन्होंने कहा कि श्रम और रोजगार सचिव हमसे केवल हमारे लोकतांत्रिक आंदोलन को स्थगित करने के लिए कह रहे हैं, लेकिन वे कोई निर्णय लेने के लिए तैयार नहीं हैं या राज्य सरकार हमारी मांगों पर उचित चर्चा के लिए तैयार नहीं है।

रेडिसन ब्लू में नेक्स्ट एशिया ने पूर्वोत्तर भारत की पसंदीदा व्यंजनों को अपने नए मेनू में किया शामिल

गुवाहाटी। महानगर के पांच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में प्रीमियम प्रमाणिक एशियाई व्यंजन रेस्तरां नेक्स्ट एशिया ने पूर्वोत्तर भारत की सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले व्यंजनों को अपने नए मेनू में शामिल किया है। नए मेनू में पूर्वोत्तर के आठो राज्यों के सूप, ऐपेटाइजर प्रमुख भोजन और मिठाइयां शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से सिक्किम का थूकपा मेघालय का नखम बिची और मणिपुर का चमथोंग के अलावा मिजोरम का मीसा माछ पुरा, मेघालय का दोह नियोंग, अरुणाचल प्रदेश का बसचरी फ्राई शामिल है। वहीं असम के मेनू में हा जोह कुमरा, लाई साग गाहुरी, कोलडील मुर्गी, तथा पारो मांसो झलकिया को शामिल किया गया है, होटल के नेस्ट एशिया रेस्तरां के शाकाहारी सैक्सन में भेंडीर सरसोरी, माटी दाल खार, रोंगा लाऊ तथा कोल पोसोला की प्रस्तुति की गई है। वहीं नागा स्पेशल में अमरसू चिकन, त्रिपुरा के लिए मुई बोड़ो क तथा मणिपुर के लिए नागा थोंगबा की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर होटल के प्रबंधक अंकुर मेहरोत्रा, उप प्रबंधक विकास वर्मा कार्यकारी सेफ के कार्तिकेयन सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

श्री बजरंग सेवा समिति लोखरा के अष्टयाम महायज्ञ की तिथि घोषित

गुवाहाटी। श्री बजरंग सेवा समिति लोखरा द्वारा तीन दिवसीय अखंड अष्टयाम महायज्ञ का शुभारंभ 29 मार्च को होगा बीते रविवार समिति के पदाधिकारीयों की बैठक में यह संकल्प लिया गया। 25वें वर्ष रजत जयंती समारोह के अवसर पर होने वाले तीन दिवसीय अष्टयाम महायज्ञ के पहले दिन 29 मार्च को वशिष्ठ गंगा नदी से जल लेकर कलश यात्री लोखरा स्थित श्री कृष्णा धर्म कांटा प्रांगण में जाएंगे तत्पश्चात 30 तारीख को प्रकांड विद्वानों के द्वारा विधि विधान से 24 घंटे का अखंड अष्टयाम प्रारंभ होगा 24 घंटे चलने वाले अष्टयाम महायज्ञ के समय के दरम्यान ही भंडारा का कार्यक्रम चलता रहेगा, 31 मार्च को पूर्णाहुति होने के बाद रात्रि में जागरण का कार्यक्रम बाहर से आए हुए सुप्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा किया जाएगा।

उलुबाड़ी स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर के पास सूखे पेड़ में लगी आग

गुवाहाटी (विभास)। उलुबाड़ी केबी बरुवा रोड में स्थित उलुबाड़ी नगरीय स्वास्थ्य केंद्र के आहते में एक सूखे पेड़ की टहनीयों मे बिजली विभाग के खंबे से हवा के झोंके आने पर टकराने के कारण उसमें आग लग गई। आग लगते ही धुएं को देखकर स्थानीय लोगों में अफरा तफरी मच गई। तुरंत दमकल विभाग को सूचना देने पर दमकल की एक गाड़ी ने आकर तुरंत ही आग पर काबू पा लिया और इस तरह लोगों की जागरूकता के चलते आग का भयानक हादसा होते-होते टल गया। वन विभाग के कर्मचारी भी तुरंत आकर उस सूखे पेड़ को पूरी तरह से काट दिया। इस अफरा तफरी में कुछ देर के लिए बी बरुवा रोड पर यातायात बाधित रहा।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा में लिए गए कई अहम प्रस्ताव

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा शाखाध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता में सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा के सभागार में संपन्न हुई। शाखा अध्यक्ष के स्वागत संबोधन के पश्चात शाखा सचिव मंजू भंसाली ने गत सभा का प्रतिवेदन पढ़ा एवं कोषाध्यक्ष बिमला कोचर ने गत दिनों के कार्यक्रमों के आय व्यय का ब्यौरा दिया। जिसे सभा ने सर्वसम्मति से पारित किया। सभा में भावी कार्यक्रमों पर चर्चा के दौरान सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री के गुवाहाटी आगमन पर उनके सम्मान सत्र आयोजन में शाखा की सहभागिता निश्चित की गई। आगामी 16 मार्च को शाखा स्तर पर होली के कार्यक्रम की रूप रेखा को अंतिम रूप दिया गया। इसके अलावा मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सौजन्य से गुवाहाटी गौशाला में आयोजित होने वाले होली प्रीति सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का दायित्व महिला शाखा ने स्वीकार किया। इस कार्यक्रम के लिए संयोजिका के रूप में संतोष काबरा, रश्मि जैन, जिया शर्मा, मंजू पाटनी, सिया शर्मा और प्रेमलता सिंघानिया को बनाया गया। गत दिनों आयोजित परशुराम कुंड धार्मिक यात्रा की अपार सफलता के चलते सभासदों ने कार्यक्रम संयोजिका का करतल ध्वनि से धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इसी कड़ी में शाखा सलाहकार सरला काबरा, सरोज मित्तल, इंदिरा जिंदल, मंजू पाटनी ने अयोध्या धाम यात्रा करने का सुझाव भी दिया। सभा में प्रेमलता सिंघानिया और रेखा गोयल को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया। सभा में उपाध्यक्ष संगीता बडजात्या, शोभना लढा के अलावा अन्य कई सदस्याए उपस्थित थी।

अचेत अवस्था में मिले व्यक्ति की इलाज के दौरान हुई मौत

गुवाहाटी। वशिष्ठ थाना अंतर्गत लालमाटी इलाके में गुरुवार संध्या करीब 6.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिसकी उम्र करीब 50 वर्ष है वह अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। जब बहुत देर तक उसका कोई गार्जियन नहीं मिला तो वशिष्ठ पुलिस ने उसे ले जाकर गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवा दिया जहां पर इलाज के दौरान आज उसकी मृत्यु हो गई वशिष्ठ पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र 50 वर्ष के करीब तथा वह स्वेटर एवं लूंगी पहना हुआ था, पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम करवा कर 72 घंटे के लिए अस्पताल में रख दिया गया है ताकि उसका कोई करीबी जान पहचान वाला खोजते हुए अगर आता है तो उसे उसके सुपुर्द कर उसकी अंतिम क्रिया की जा सके।

बीटीआर में अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करने के निर्णय मील का पत्थर साबित हुए : प्रमोद बोड़ो

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने उल्लेख किया कि बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के शिक्षा क्षेत्र ने शिक्षा पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग के रूप में अंतरिक्ष शिक्षा के दायरे को बढ़ाने के लिए क्षेत्र में दस अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करने के निर्णय के साथ एक नया मील का पत्थर छुआ है। बोड़ो बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) और इसरो के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण भागीदार व्योमिका स्पेस लैब्स के बीच बोडोफा सांस्कृतिक केंद्र कोकराझाड़ में एमओयू हस्ताक्षर समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने उल्लेख किया कि अंतरिक्ष अन्वेषण के बारे में जिज्ञासा जगाने, अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में सीखने को बढ़ावा देने और बीटीआर के सरकारी स्कूलों के प्रतिभाशाली, युवा छात्रों में से अगली पीढ़ी के अंतरिक्ष उत्साही लोगों को प्रेरित करने के लिए बीटीआर में स्पेस लैब स्थापित की जाएंगी। भारत की समृद्ध विरासत और वर्ष 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, बोड़ो ने उल्लेख किया कि अंतरिक्ष शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, न केवल वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की अगली पीढ़ी के पोषण के लिए बल्कि महत्वपूर्ण सोच पैदा करने के लिए भी। बहु-विषयक सहयोग, एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य, और ब्रह्मांड में हमारे ग्रह के स्थान की गहन समझ। इसरो के अध्यक्ष एसपी सोमनाथ ने भी 1000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों की सभा को वर्चुअली संबोधित किया। एमओयू में उल्लिखित उद्देश्यों में बीटीआर के छात्रों के लिए अंतरिक्ष शिक्षा मंच प्रदान करना, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के संपर्क में आना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अध्ययन को बढ़ावा देना, इसरो के वैज्ञानिक शैक्षिक कार्यक्रम के बारे में बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के शिक्षकों को प्रशिक्षण देना शामिल है। समारोह में इसरो के पूर्व मिशन निदेशक टीके सुंदरमूर्ति, व्योमिका स्पेस लैब्स के सीईओ गोविंद यादव, बीटीसी आकाशदीप के प्रधान सचिव और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

केआईयूजी 2023: चंडीगढ़ विवि की भूमि गुप्ता की तीन पदकों के साथ तैराकी में जोरदार वापसी

गुवाहाटी (हिंस)। तैराक भूमि गुप्ता को पिछले साल मध्य प्रदेश में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईयूजी) के दौरान उनके करियर के लिए खतरा पैदा करने वाली कंधे की चोट का सामना करना पड़ा और उन्हें सर्जरी की जरूरत पड़ी, जिसके कारण वह लगभग नौ महीने तक खेल से बाहर रहीं। 18 वर्षीया भूमि वापसी की राह पर है और शारीरिक रूप से अभी भी कमजोर है। लेकिन, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की इस तैराक ने गुरुवार देर रात यहां डॉ. जाकिर हुसैन एक्वेटिक्स कांप्लेक्स में चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में तैराकी प्रतियोगिता के आखिरी दिन स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के साथ अपनी जबरदस्त वापसी की। नई दिल्ली में खेलो इंडिया ग्लेनमार्क सेंटर की प्रशिक्षु भूमि ने 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में 2 मिनट 32.43 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता और फिर 100 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य और 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में रजत पदक जीता। अपने गृह नगर बिलासपुर में पूर्व जूनियर अंतर्राष्ट्रीय जगदीश बनिक के तहत तीसरी कक्षा में तैराकी शुरू करने वाली भूमि ने कहा कि चोट के बाद का समय मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। लेकिन, मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी और नौ महीने के अंतराल के बाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग कांप्लेक्स (कोच पार्थ प्रतिम मजूमदार के अधीन) में प्रशिक्षण के लिए वापस आई और फैसला किया कि मैं खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक जीतने पर ध्यान केंद्रित करूंगी। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में प्रतिस्पर्धा करने के लिए क्वालीफाई करने के लिए, भूमि को पहले अखिल भारतीय यूनिवर्सिटी तैराकी प्रतियोगिता में अपना प्रभाव डालना था, जो पूर्वोत्तर में खेले जा रहे खेलों के चौथे संस्करण के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करता था। उन्होंने कहा कि मैं अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में पदक जीतने में कामयाब रही और यहां अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध थी। भूमि के पिता अजय ने गुवाहाटी में अपनी उपस्थिति से उन्हें पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि चोट से लौटने के बाद से मैं अपनी प्रगति का परीक्षण करने और खुद को साबित करने के लिए गुवाहाटी आई थी कि मैं अभी भी बड़े लक्ष्यों के लिए प्रयास कर सकती हूं। भूमि की नजरें अब इस साल जुलाई में होने वाली सीनियर नेशनल चैंपियनशिप पर टिकी हैं। उनका कहना है कि पदक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने के उनके सपने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.30PSC/E-1 1/2023-2024

NOTIFICATION

It is for information to all concerned candidates that the **Combined Competitive (Preliminary) Examination, 2023 will be held on 18th March, 2024 (Monday)** as per programme given below:

Programme for the Combined Competitive (Preliminary) Examination, 2023

Date	Timing	Subject
18/03/2024 (Monday)	10:00 AM to 12:00 P.M.	General Studies-I
	02:00 PM to 04:00 P.M.	General Studies-II

The list of candidates along with Roll Nos. and e-Admission Certificates will be uploaded on **26th February, 2024** and 27th February, 2024 respectively in the Commission's website **www.apsc.nic.in.** No e-Admission Certificates shall be sent separately by post. The candidates may e-mail their queries to the e-mail id: **cceapse@gmail.com** from **27th February, 2024** to **10th March, 2024** till **5.00 P.M.**

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/18280/23/24-Feb-24

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर का विकास

जिस राज्य से कभी अलगाववाद की आवाजें आती थीं और अशांति थी, वही जम्मू-कश्मीर अब विकास की नयी कहानियां लिख रहा है। जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन की जो बयार बह रही है, उससे स्थानीय मुस्लिम समुदाय भी सुकून महसूस कर रहा है। अनेक अवसरों पर जम्मू-कश्मीर के नागरिकों ने खुलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की है कि उनके प्रयासों से अलग-थलग पड़ा रहने वाला राज्य आज मुख्यधारा में शामिल हो गया। पिछले दस वर्षों में जम्मू-कश्मीर में तेजी से विकास हो रहा है। विशेषकर, विवादित अनुच्छेद-370 एवं 35 ए के निष्प्रभावी होने के बाद से दुनियाभर से निवेश आ रहा है। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। पत्थरबाजी की घटनाएं पूरी तरह रुक गई हैं। आतंकवाद के वित्त पोषण पर भी कठोर कार्रवाई की गई है। इसलिए अलगाववाद की दुकान चलाने वालों के अरमान भी ठंडे पड़ गए हैं। भारत विरोधी राजनीति के सुर भी मंद पड़ गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 32 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करके नये जम्मू-कश्मीर की एक झलक सबके सामने प्रस्तुत की है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने भाषण में कहा है कि उन्होंने विकसित जम्मू-कश्मीर का संकल्प लिया है और इसे विकसित बनाकर ही रहेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी जो संकल्प लेते हैं, उसे पूरा करके ही मानते हैं। भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने कभी संकल्प लिया था कि जम्मू-कश्मीर से अलगाववादी अनुच्छेद-370 को समाप्त करेंगे। जब जनता का भरपूर जनादेश मिला तो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सरकार ने उस संकल्प को पूरा करके दिखा दिया। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प पर आज की तिथि में संदेह करने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने एक-एक घोषणाओं को पूरा करके जो विश्वास अर्जित किया है, वही उनकी ताकत है। निःसंदेह, जम्मू-कश्मीर में अभी जो विकास दिख रहा है, आने वाले समय में वह और अधिक होगा। एक समय था जब यह सोचना कठिन था कि जम्मू–कश्मीर में वह सुख–शांति लौटेगी, जो किसी दौर में जम्मू–कश्मीर की पहचान थी। लेकिन अब वह असंभव–सा दिखने वाला विचार साकार होते दिख रहा है। मोदी सरकार धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले राज्य को बम, बंदूक, अपहरण, अलगाव के दौर से बाहर निकालकर लाई है। हम सब जानते हैं कि जम्मू–कश्मीर को दुर्भाग्य के हाथों छोड़ दिया गया था लेकिन आज कश्मीर बदल गया है। कश्मीर में दशकों तक परिवारवाद की राजनीति रही है। परिवारवाद की राजनीति करनेवालों ने सिर्फ अपना स्वार्थ देखा है, राज्य के नागरिकों के हितों की चिंता नहीं की है। जबकि मोदी सरकार ने अनेक प्रकार की भीषण चुनौतियों को दरकिनार करते हुए नागरिकों के हित में साहसिक निर्णय लिए। जम्मू–कश्मीर में आज जो सुखद परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, उसके लिए केंद्र सरकार को अनेक मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ा है। लेकिन संकल्प था जम्मू–कश्मीर को मुख्यधारा में लाकर उसे देश के विकास से जोड़ने का, इसलिए मोदी सरकार ने आगे बढ़कर चुनौतियों को स्वीकार किया। यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि जब सरकार संवेदनशील और लोगों की भावनाएं समझने वाली हो तो समाज और देशहित में तेज गति से कार्य होते हैं। आज जम्मू–कश्मीर ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देश को एक विश्वास है कि हम विकास की संस्कृति गढ़ रहे हैं।

पिछले दस वर्षों में जम्मू–कश्मीर में तेजी से विकास हो रहा है। विशेषकर, विवादित अनुच्छेद–370 एवं 35 ए के निष्प्रभावी होने के बाद से दुनियाभर से निवेश आ रहा है। जम्मू–कश्मीर के पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। पत्थरबाजी की घटनाएं पूरी तरह रुक गई हैं। आतंकवाद के वित्त पोषण पर भी कठोर कार्रवाई की गई है। इसलिए अलगाववाद की दुकान चलाने वालों के अरमान भी ठंडे पड़ गए हैं। भारत विरोधी राजनीति के सुर भी मंद पड़ गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 32 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करके नये जम्मू–कश्मीर की एक झलक सबके सामने प्रस्तुत की है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने भाषण में कहा है कि उन्होंने विकसित जम्मू–कश्मीर का संकल्प लिया है और इसे विकसित बनाकर ही रहेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी जो संकल्प लेते हैं, उसे पूरा करके ही मानते हैं। भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने कभी संकल्प लिया था कि जम्मू–कश्मीर से अलगाववादी अनुच्छेद–370 को समाप्त करेंगे। जब जनता का भरपूर जनादेश मिला तो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सरकार ने उस संकल्प को पूरा करके दिखा दिया। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प पर आज की तिथि में संदेह करने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने एक–एक घोषणाओं को पूरा करके जो विश्वास अर्जित किया है, वही उनकी ताकत है। नि:संदेह, जम्मू–कश्मीर में अभी जो विकास दिख रहा है, आने वाले समय में वह और अधिक होगा।

किसान नेता अपने आंदोलन को अराजनीतिक बताते हैं

एमएसपी की गारंटी देने वाला कानून बनाना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है

आशीष वशिष्ठ

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संविधान के तहत देश के हर नागरिक को शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शन करने का मौलिक अधिकार है। लेकिन, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी कानून की गारंटी के लिए आंदोलनरत किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें मंगवाने के पक्षधर नहीं दिखते। सरकार बातचीत के माध्यम से समस्या सुलझाना चाहती है। लेकिन किसान नेताओं के तेवरों और मांगों की लंबी सूची के दृष्टिगत इस बात की संभावना न्यून है कि बातचीत से ये मसला निपटेगा। वास्तव में किसान नेता भी जानते हैं कि एमएसपी कानून की गारंटी देना इस सरकार तो क्या किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है। किसानों के असली इरादों को उनकी तैयारियों को देखकर समझा जा सकता है। जिस तरह ट्रैक्टर ट्रालियों में महीनों का राशन और दूसरा जरूरी सामान लेकर वो घरों से निकले हैं, उससे साफ है कि उनकी मंशा समझौते की नहीं, टकराव की है। वो चाहते हैं कि गलती से शासन प्रशासन के हाथों कोई ऐसा काम हो जाए, जिससे वो और उनका पूरा इको सिस्टम सरकार को किसान विरोधी साबित कर सके। ये सारी कवायद चुनाव से पहले माहौल खराब करने और सरकार की छवि को ठेस पहुंचाने की दिखाई देती है। किसान समस्या का हल चाहते तो बातचीत में विश्वास करते। वो तो दिल्ली की तरफ हजारों की भीड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रालियों, गाड़ियों और अन्य साधनों से दिल्ली की ओर ऐसे बढ़े मानो उन्हें किसी विदेशी सरकार से निर्णायक संघर्ष करना है। किसान नेता जब मीडिया या किसी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं कि मानो केंद्र सरकार उनकी सबसे बड़ी दुश्मन है। मीडिया से बातचीत के समय किसान नेताओं और उनके समर्थकों की भाषा, बॉडी लैग्वेंज और भाषणों की टोन ऐसी होती हैं मानो किसी दुश्मन देश की सरकार को वो चेतावनी दे रहे हों। करोड़ों नागरिकों द्वारा निर्वाचित सरकार, जो बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, उसके प्रति किसान नेताओं का अनादर का भाव कदम कदम पर दिखाई देता है। किसान नेता अपने आंदोलन को अराजनीतिक बताते हैं। लेकिन राजनीतिक संगठनों के साथ उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। इसीलिए कहा जा रहा है कि किसान आंदोलन तो बहाना है- असली काम तो मोदी सरकार को हटाना है। लोगों में चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर बिना राजनीतिक दलों के समर्थन के इतना बड़ा आंदोलन इतनी जल्दी कैसे खड़ा हो सकता है।

किसानों के असली इरादों को उनकी तैयारियों को देखकर समझा जा सकता है। जिस तरह ट्रैक्टर ट्रालियों में महीनों का राशन और दूसरा जरूरी सामान लेकर वो घरों से निकले हैं, उससे साफ है कि उनकी मंशा समझौते की नहीं, टकराव की है। वो चाहते हैं कि गलती से शासन प्रशासन के हाथों कोई ऐसा काम हो जाए, जिससे वो और उनका पूरा इको सिस्टम सरकार को किसान विरोधी साबित कर सके। ये सारी कवायद चुनाव से पहले माहौल खराब करने और सरकार की छवि को ठेस पहुंचाने की दिखाई देती है।

2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के 34 किसान संगठन विरोध कर रहे थे, जबकि यह आंदोलन मात्र कुछ किसान संगठनों द्वारा ही किया जा रहा है। तो क्या यह सही है कि इस बार का आंदोलन किसी विशेष उद्देश्य से हो रहा है? भारतीय किसान यूनियन सिद्धूपुर के प्रधान जगजीत सिंह डल्लेवाल इस बार किसान आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरे हैं। जिस तरह पिछली बार गुरुनाम सिंह चढूनी और राकेश टिकैत थे इस बार डल्लेवाल हैं। उनके मुंह से किसान आंदोलन की सच्चाई निकल गई है। डल्लेवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था, उसे नीचे लाना है। आंदोलन में शामिल पंजाब के किसान नेता तेजवीर सिंह का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो किसान आंदोलन के जरिए देश की सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं वो किसान आंदोलन को विपक्ष की लड़ाई लड़ने वाला भी बता रहे हैं। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं किसान नेताओं को एक बात समझाई गई है कि ये लड़ाई किसानों के अधिकारों और एमएसपी की गारंटी के लिए नहीं है बल्कि इन मुद्दों के नाम पर सरकार को ही बदलना है। यही नहीं किसान आंदोलन को कवर कर रहे बहुत से यूट्यूबरों, मीडिया हाउसेस के वीडियो देखने को मिल रहे हैं जिन्हें देखकर आप यही कह सकते हैं कि किसान आंदोलन भ्रमित है या गलत लोगों के हाथ में है। बहुत से किसान इंडिपेंडेंट पंजाब या खालिस्तान की बात करते हुए मिलते हैं। कुछ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए मिल जाते हैं। इन किसानों के मन में एमएसपी पर गारंटी की डिमांड कम, केंद्र सरकार को बदलने का जज्बा काफी है। इनमें से कुछ में नरेंद्र मोदी के लिए इतनी नफरत भरी हुई है जैसे किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने विरोधी दलों के नेताओं के बारे में रखता है। बल्कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में भी अपने विरोधी दल के नेता के लिए मरने-मारने की बात नहीं होती। यहां तो किसान मरने-मारने की बात भी कर रहे हैं। पंजाब में पीएम मोदी का काफिला रोकने की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी संगठन भी इस आंदोलन में शामिल है। आंदोलन शुरू होने से 2 दिन पहले जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी का ट्वीट किसान आंदोलन को समर्थन करते आ गया था उससे भी इस संदेह को बल मिला कि यह आंदोलन किसानों के अधिकार के लिए नहीं बल्कि मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए ज्यादा है। कांग्रेस नेता रमनदीप सिंह मान पर आरोप है कि वो कांग्रेस और किसान नेताओं के बीच कड़ी का काम कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य के हैंडल ने उनके कई ट्वीट्स की कड़ी का थ्रेड बनाकर अपने हैंडल पर डाला हुआ है। इस थ्रेड से पता चलता है कि कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने किस तरह रमनदीप सिंह के साथ मिलकर किसान आंदोलन को खड़ा किया। जब चार साल पहले तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में राजधानी को लगभग 13 महीने तक बंधक बनाए रखा गया था। धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के बहाने अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किसान संगठनों की ओर से बनाए गए माहौल का ही नतीजा था कि केंद्र सरकार को उन तीन कृषि कानूनों को वापस लेना पड़ा था, जिन्हें कृषि और कृषक समुदाय के लिए क्रांतिकारी माना जा रहा था। सच्चाई यह है कि पिछली सरकारों ने जो कुछ किसानों की भलाई के लिए किया, वर्तमान सरकार ने उससे बढ़कर ही किया है। आंकड़ें इसके प्रत्यक्ष साक्षी हैं। ये भी सच्चाई है कि किसानों की भलाई के लिए काफी कुछ किया जाना बाकी भी है। असल में, जब आंखों में विरोधी चश्मा चढ़ा हो और दिमाग में रटी रटाई स्क्रिप्ट तैर रही हो तो बातचीत से मामला हल कहां होने वाला है? सरकार चाहे जितने भी उपाय और मजबूरियां बता दे, किसान नेताओं को तो अपनी बात पर अड़े रहना है। शायद उनके राजनीतिक आकाओं की ऐसी ही मंशा होगी। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पिछले सात दशक से जिस तरह की कृषि नीति देश में अपनायी गयी है, उन नीतियों से किसानों की स्थिति तो नहीं सुधरी है, न ही उनको उनकी उपज का वाजिब दाम ही मिल पाता है।

दृष्टि कोण

2019 की हार के बावजूद अमेठी का मैदान छोड़ने के मूड़ में नहीं दिख रहे हैं राहुल गांधी

कांग्रेस नेत्री और गांधी परिवार की बेटी प्रियंका वाड्रा गाँधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की चर्चा पर कांग्रेस आलाकमान भले ही चुप्पी साधे हुए है, लेकिन राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने काफी कुछ साफ कर दिया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब अमेठी पहुंची तो लगे हाथ कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने का संकेत देकर गाँधी परिवार की अमेठी-रायबरेली वाली सियासत को फिर जिंदा कर दिया है। यह दोनों वह संसदीय क्षेत्र हैं जिसका गांधी परिवार से काफी लगाव रहा है। जब कांग्रेस पूरे उत्तर प्रदेश में उखड़ गई तब भी अमेठी रायबरेली में उसकी जड़ें जमी रही थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में जरूर अमेठी से गाँधी परिवार का सफाया हो गया था लेकिन यहां कांग्रेस अभी खत्म नहीं हुई है। गांधी परिवार भावनात्मक रूप से अपने आप को अमेठी से जोड़कर बड़ा उलटफेर करने की ताकत रखता है। खरगे ने राहुल गांधी की अमेठी से लोकसभा उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा नहीं की मगर अमेठी की जनता से यह जरूर कह दिया कि राहुल गांधी कल भी आपके साथ थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। इससे पूर्व सोनिया गांधी ने भी रायबरेली की जनता को लिखे भावनात्मक पत्र में अमेठी का जिक्र करके इसे गांधी परिवार के करीब बताया था।कांग्रेस नेत्री और गांधी परिवार की बेटी प्रियंका वाड्रा गाँधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की चर्चा पर कांग्रेस आलाकमान भले ही चुप्पी साधे हुए है, लेकिन राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने काफी कुछ साफ कर दिया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब अमेठी पहुंची तो लगे हाथ कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने का संकेत देकर गाँधी परिवार की अमेठी-रायबरेली वाली सियासत को फिर जिंदा कर दिया है। यह दोनों वह संसदीय क्षेत्र हैं जिसका गांधी परिवार से काफी लगाव रहा है। जब कांग्रेस पूरे उत्तर प्रदेश में उखड़ गई तब भी अमेठी रायबरेली में उसकी जड़ें जमी रही थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में जरूर अमेठी से गाँधी परिवार का सफाया हो गया था लेकिन यहां कांग्रेस अभी खत्म नहीं हुई है। गांधी परिवार भावनात्मक रूप से अपने आप को अमेठी से जोड़कर बड़ा

उलटफेर करने की ताकत रखता है। खरगे ने राहुल गांधी की अमेठी से लोकसभा उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा नहीं की मगर अमेठी की जनता से यह जरूर कह दिया कि राहुल गांधी कल भी आपके साथ थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। इससे पूर्व सोनिया गांधी ने भी रायबरेली की जनता को लिखे भावनात्मक पत्र में अमेठी का जिक्र करके इसे गांधी परिवार के करीब बताया था। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अमेठी से गांधी परिवार के करीबी रिश्ते को लेकर सोनिया गांधी के 26 साल पहले दिए गए बयान का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी भी अमेठी से दिल का करीबी रिश्ता होने की बात को आज दोहरा रहे हैं। राहुल के अमेठी से चुनाव लड़ने के इरादों का साफ संदेश देते हुए खरगे ने इस संसदीय क्षेत्र की जनता से यह कहने से भी गुरेज नहीं किया कि भले ही क्षेत्र को कोई सांसद मिल सकता है, मगर राहुल गांधी जैसा इंसान उन्हें कहां मिलेगा। मगर इससे इत्तर अमेठी से चुनाव लड़ना गांधी परिवार के लिये अब आसान नहीं रह गया है। पिछले पांच वर्षों में अमेठी काफी बदल गया है। अमेठी की मौजूदा सांसद और केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी अमेठी की जनता के दिलों में अपनी जगह बना ली है। खास बात यह रही कि मल्लिकार्जुन खरगे भारत जोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में जब अमेठी पहुंचे तो राहुल गांधी की मौजूदगी में वहां हुई एक जनसभा में अमेठी के रास्ते उत्तर प्रदेश के मैदान में कांग्रेस के डटे रहने का एलान किया गया। अमेठी वासियों के साथ गांधी परिवार के निकट रिश्तों का जिक्र करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने एक शायरी की पंक्तियों- 'अगर तलाश करे कोई मिल ही जाएगा, मगर तुम्हारी तरह कौन हमको चाहेगा', के द्वारा राहुल के अमेठी के चुनावी रण में ताल ठोंकने की घोषणा की।

कुछ अलग

बुजुर्गों की समस्याओं पर भी हो ध्यान

कहा जाता है कि पुरानी चीज सोने की तरह कीमती होती है, पर इस पर अमल नहीं होता। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2022 में बुजुर्गों की संख्या 14।90 करोड़ थी, जिसके 2050 तक 34।7 करोड़ होने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी सरकार के लिए एक गंभीर आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती है। अगर आयु एक संख्या भर है, तो यह एक गलत संख्या है। पिछले सप्ताह एक व्हाट्सएप चर्चा पर ध्यान गया, जो भारत में बुजुर्गों की खराब दशा और सरकार की अनदेखी पर जया बच्चन के संसद में भाषण के बारे में थी। सच को छुपाया नहीं जा सकता है। सोशल मीडिया पर तब शोर मच गया, जब क्रिकेट खिलाड़ी रवींद्र जडेजा के पिता ने अपनी बहू भाजपा विधायक रिवाबा पर आरोप लगाया कि उनके चलते इस आयु में उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। पहले उद्योगपति गौतम सिंघानिया कारोबार पर नियंत्रण लेने के बाद अपने 85 वर्षीय पिता विजयपत सिंघानिया को आलीशान घर से बाहर निकालने के कारण चर्चा में थे। विजयपत सिंघानिया 83 सौ करोड़ के रेमंड साम्राज्य के संस्थापक है, जो अपनी बचत से मुंबई में एक छोटे से फ्लैट में रहने के लिए मजबूर हैं। एक ओर प्रधानमंत्री 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मिशन पर चल रहे हैं, तो दूसरी ओर अधिकारी, कॉर्पोरेट प्रमुख और अन्य लोग समावेश के ऊपर बहिष्करण का वातावरण बनाने में लगे हैं। बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा, बैंक कर्ज और वीजा नहीं दिया जा रहा है। वे 70 साल की आयु हो जाने पर ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं पा सकते। अब उन्हें अपनी 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल कार भी कबाड़ में देना पड़ रहा है। उनके पास पेंशन के अलावा कोई आमदनी नहीं है। उन्हें लचर सार्वजनिक यातायात तंत्र पर निर्भर रहना पड़ रहा है। पश्चिम में बुजुर्गों को अनुत्पादक माना जाता है। भारत में पश्चिमी जीवन शैली के बढ़ते प्रभाव के कारण संयुक्त परिवार की व्यवस्था टूटती जा रही है। वृद्ध जन, जो सेवानिवृत्ति के बाद बेरोजगार हो जाते हैं, को उनके बच्चे उसी घर से निकाल देते हैं, जो उन्होंने बनवाया था। परिवार चलाने और संतान को अच्छी शिक्षा देने के बावजूद कुछ बुजुर्गों को एक बिस्तर तक नहीं दिया जाता या बीमार होने पर अस्पताल नहीं ले जाया जाता। करोड़ों बुजुर्गों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा से वंचित रखा गया है क्योंकि लालची वित्तीय एवं कानूनी व्यवस्था उन्हें अनुभव एवं बुद्धि से युक्त परिसंपत्ति समझने के बजाय बोझ मानती है। हर दस में से एक भारतीय को पेंशन एवं बुजुर्ग लाभों जैसी सुविधाओं एवं छूटों से वंचित रखा जाता है। अजीब बात है कि किसी सरकारी निकाय ने कल्याण एवं मौद्रिक दायरे में बुजुर्गों को रखने का कोई प्रयास नहीं किया है। राज्य स्तर पर पेंशन योजनाएं हैं। एक प्रावधान है कि हर महीने बुजुर्ग व्यक्ति को एक-डेढ़ हजार रुपये मिलेंगे। इस मामूली रकम को पाने के लिए भी उम्रदराज लोगों को स्थानीय अधिकारियों के चक्कर काटने पड़ते हैं, जो उन्हें अपमान से प्रताड़ित करते हैं या रिश्वत मांगते हैं। पेंशन के लिए शायद ही किसी राज्य ने खाते में सीधे हस्तांतरण की व्यवस्था की है। निजी क्षेत्र के कर्मियों के लिए शायद ही सेवानिवृत्ति के बाद की कोई योजना है। वैसे कारोबारियों के लिए भी इंतजाम नहीं हैं, जो 60 साल की उम्र के बाद कारोबार नहीं कर पाते हैं। निजी क्षेत्र में खूब मुनाफा आ रहा है, पर कामगारों के लिए कुछ ही पेंशन योजनाएं हैं, जो अपने जीवन का बेहतरीन हिस्सा कंपनियों को दे देते हैं। विडंबना ही है कि जब सेवानिवृत्त लोगों के वित्तीय सुरक्षा का मामला आता है, तो तंत्र शासन, सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मियों की पक्षधरता करता है।

देश दुनीया से

हांफती वैश्विक अर्थव्यवस्था के मायने

दुनिया की सात बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से दो मंदी में जा चुकी हैं। साल 2023 की आखिरी तिमाही में ब्रिटेन की जीडीपी में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। उधर, जापान की अर्थव्यवस्था में भी 0.4 फीसदी की अप्रत्याशित गिरावट आई है। यह देश कभी लंबे समय तक दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्था रहा है। जापान की जीडीपी में इससे पहले की तिमाही में 3.3 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आ चुकी थी। यानी, लगातार दो तिमाहियों में गिरावट। अर्थशास्त्र में यही मंदी की तकनीकी परिभाषा है। ब्रिटेन में पिछली तिमाही की गिरावट 0.1 प्रतिशत की थी। ये दोनों दुनिया के सात सबसे अमीर देशों में शामिल हैं, जी–7 के सदस्य हैं। इनकी अर्थव्यवस्था में गिरावट या ठहराव दुनिया के लिए चिंता का कारण इसलिए भी है, क्योंकि अगर अमीरों का यह हाल होगा, तो बाकी का क्या होगा? दोनों ही देशों का यह हाल इसलिए और भी चिंताजनक है, क्योंकि यह तमाम अर्थशास्त्रियों की आशंकाओं से भी बुरा है।

अब मंदी भी 'भेड़िया आया, भेड़िया आया' की तर्ज पर आती दिख रही है। कोरोना के बाद लंबे समय तक मंदी की आशंका रही। किसी न किसी तरह दुनिया उस डर से बाहर निकलती कि नए खतरे के बादल मंडराने लगे, यूक्रेन व गाजा में युद्ध छिड़ गया और अब तो भेड़िया आ ही गया है। दुनिया की सात बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से दो मंदी में जा चुकी हैं। साल 2023 की आखिरी तिमाही में ब्रिटेन की जीडीपी में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। उधर, जापान की अर्थव्यवस्था में भी 0.4 फीसदी की अप्रत्याशित गिरावट आई है। यह देश कभी लंबे समय तक दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्था रहा है। जापान की जीडीपी में इससे पहले की तिमाही में 3.3 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आ चुकी थी। यानी, लगातार दो तिमाहियों में गिरावट। अर्थशास्त्र में यही मंदी की तकनीकी परिभाषा है। ब्रिटेन में पिछली तिमाही की गिरावट 0.1 प्रतिशत की थी। ये दोनों दुनिया के सात सबसे अमीर देशों में शामिल हैं, जी-7 के सदस्य हैं। इनकी अर्थव्यवस्था में गिरावट या ठहराव दुनिया के लिए चिंता का कारण इसलिए भी है, क्योंकि अगर अमीरों का यह हाल होगा, तो बाकी का क्या होगा? दोनों ही देशों का यह हाल इसलिए और भी चिंताजनक है, क्योंकि यह तमाम अर्थशास्त्रियों की आशंकाओं से भी बुरा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ऐसे आंकड़ों से पहले अर्थशास्त्रियों से उनके अनुमान पूछती है। इस बार के सर्वे में शामिल सभी अर्थशास्त्री एकमत थे कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 0.1 प्रतिशत की गिरावट दिख सकती है। उधर, जापान में ब्लूमबर्ग के ऐसे ही सर्वे में शामिल 34 में से सिर्फ एक अर्थशास्त्री ने मंदी की आशंका जताई थी, बाकी सबकी राय का निचोड़ था कि जीडीपी में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। जाहिर है, दोनों ही जगह मंदी ने विद्वानों को हतप्रभ कर दिया है, और सरकारों के साथ-साथ केंद्रीय बैंकों के लिए भी राह काफी मुश्किल कर दी है। यह एक बड़ा सवाल है कि क्या इन दोनों देशों की मंदी बाकी दुनिया के लिए भी खतरे की घंटी है? ऐसा नहीं है कि यह अचानक हुआ है। यूक्रेन पर रूस के हमले से ही चिंताएं बढ़ने लगी थीं और इजरायल पर हमास के हमले के बाद तो कई बड़े जानकारों ने एकदम साफ चेतावनी दे दी थी कि यह संघर्ष दुनिया को मंदी की तरफ धकेल सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनी ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक ने तीन महीने पहले ही कहा था कि हमास का हमला, इजरायल की जवाबी कार्रवाई और यूक्रेन पर रूस के हमले जैसी घटनाओं ने मिलकर दुनिया को एक नए भविष्य की तरफ धकेल दिया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि पूरी दुनिया में उम्मीदें कम हो रही हैं और आशंकाएं बढ़ रही हैं। जब डर बढ़ता है, तो लोग खर्च और खरीदारी कम कर देते हैं, इसीलिए आशंकाओं का बढ़ना लंबे दौर में मंदी का कारण बनता है। अमेरिका के सबसे बड़े बैंक जे पी मॉर्गन के मुखिया जेमी डिमोन तो इससे भी करीब एक महीने पहले चेता चुके थे कि इस वक्त दुनिया अपने कई दशकों के इतिहास में शायद सबसे खतरनाक दौर से गुजर रही है। इसके करीब तीन हफ्ते बाद उन्होंने संडे टाइम्स अखबार से बातचीत में कहा कि यूक्रेन की लड़ाई और इजरायल-हमास का संघर्ष, दोनों बहुत डरावनी घटनाएं हैं, जिनके नतीजे के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता, पर विश्व राजनीति की दृष्टि से यह घटनाक्रम पूरे विश्व के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मसला है। भविष्य में बहुत दूर न जाएं, तब भी क्या यह वास्तव में इतनी बड़ी समस्या है कि दुनिया को चिंता करनी चाहिए? क्या विश्वव्यापी मंदी का खतरा भी हो सकता है? इस साल की शुरुआत में अपनी ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जो कहा था, वह इस सवाल का कुछ हद तक जवाब देता है। इसमें 102 देशों के निजी क्षेत्र के अधिकारियों के बीच हुए एग्जिक्यूटिव ओपिनियन सर्वे के परिणाम भी शामिल हैं। सर्वे में शामिल लोगों ने इस वक्त के जो पांच सबसे बड़े खतरे गिनाए, उनमें आर्थिक मंदी का डर प्रमुख है। मुद्रा कोष के अनुसार, आर्थिक मंदी को दो तरह से देखा जा सकता है, या तो दुनिया का आर्थिक विकास बढ़ने की जगह कम हो जाए, जैसे अभी जापान और ब्रिटेन में दिखा। या फिर, कई वर्षों तक अर्थव्यवस्था के बढ़ने की रफ्तार सुस्त हो जाए या थम जाए। हालांकि, मुद्रा कोष के जिम्मेदार अधिकारी अभी मंदी की भविष्यवाणी करने से कतरा रहे हैं, लेकिन संगठन का यह तो मानना है कि अर्थव्यवस्था में बढ़त की रफ्तार कम हो रही है, जिससे अनिश्चितता बढ़ रही है। उधर जापान में आर्थिक स्थिति की भविष्यवाणी करने के लिए मशहूर आर्थिक विशेषज्ञ योशिकी शिंके ने चेताया है कि मौजूदा तिमाही, यानी जनवरी से मार्च के बीच भी जापान मंदी से बाहर नहीं निकलने वाला है। जापान के लिए यह मुश्किल काफी विकट हो सकती है। बैंक ऑफ जापान 2007 के बाद पहली बार ब्याज दरें बढ़ाने की सोच रहा था, जो करना अब शायद बेहद मुश्किल हो जाए। जापान में पिछले कई साल से ब्याज दर जीरो से नीचे चल रही है।

आप का नजरीया

दुनियाभर में बढ़ रही है गरीबों की संख्या

सामाजिक असमानता की खाई निरंतर बढ़ रही है। जिससे आम आदमी की आय में बेहद कम बढ़ोतरी हो रही है जबकि अमीर वर्ग की सम्पत्ति कई गुना बढ़ी है। न केवल भारत बल्कि दुनिया के कई देशों में आर्थिक असमानता की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। गरीबी उन्मूलन के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठन 'ऑक्सफैम इंटरनेशनल' ने पिछले महीने विश्व आर्थिक मंच की बैठक में आर्थिक असमानता पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी करते हुए बताया था कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान अमीरी और गरीबी की खाई पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ी है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में कई चिंताजनक बातें उभर कर सामने आई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि आर्थिक असमानता के दृष्टिगत पिछले कुछ वर्ष बहुत खराब साबित हुए हैं और विगत चार वर्षों के दौरान कोरोना महामारी, युद्ध और महंगाई जैसे पैमानों ने विश्वभर में अरबों लोगों को गरीब बनाया है। 2020 के बाद से अब तक दुनिया में करीब 5 अरब लोग गरीब हुए हैं। रिपोर्ट में चिंता जताते हुए कहा गया था कि एक ओर जहां गिने-चुने लोगों की बेतहाशा कमाई हो रही है, वहीं दूसरी ओर अरबों लोग गरीब होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के शीर्ष 5 अमीरों की दौलत बीते चार वर्षों के दौरान 405 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुनी से अधिक बढ़ कर 869 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई, जिसका स्पष्ट अर्थ है कि इन चार वर्षों के दौरान इन पांच सबसे अमीर लोगों की हर घंटे 14 मिलियन डॉलर (करीब 116 करोड़ रुपये) की कमाई हुई। ऑक्सफैम के मुताबिक सबसे अमीर लोगों ने सांठ-गांठ वाले पूंजीवाद और विरासत के जरिये बनाई गई सम्पत्ति का एक बड़ा हिस्सा हड़प लिया है जबकि गरीब अभी भी न्यूनतम वेतन अर्जित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जो लगातार कम निवेश से पीड़ति हैं। ये बढ़ती दूरियां और बढ़ती असमानताएं महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं। रिपोर्ट में चिंता जताते हुए कहा गया कि एक ओर जहां दुनिया के कुछ गिने-चुने लोगों की दौलत रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रही है, अमीर लगातार और ज्यादा रईस होते जा रहे हैं, वहीं गरीबों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, लोगों की आमदनी घट रही है। ऑक्सफैम का कहना है कि यदि दुनिया के सभी अरबपतियों की नेटवर्थ जोड़ लें तो इसमें 4 वर्ष में कई बड़े देशों की जीडीपी से भी ज्यादा वृद्धि हुई है। दुनियाभर के अरबपतियों की सम्मिलित दौलत पिछले चार वर्षों में 3.3 ट्रिलियन डॉलर बढ़ी है जबकि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत की जीडीपी करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के 148 शीर्ष घरानों ने 1800 अरब अमेरिकी डॉलर का मुनाफा कमाया, जो तीन वर्षों के औसत से 52 फीसद अधिक है। जहां अमीर शेयर धारकों को भारी भुगतान किया गया, वहीं करोड़ों लोगों को वास्तविक अवधि के वेतन में कटौती का सामना करना पड़ा। ऑक्सफैम के मुताबिक यदि यही मौजूदा रुझान जारी रहा तो दुनिया से गरीबी आगामी 229 वर्षों तक भी नहीं मिटाई जा सकेगी।

दोषी साबित होने पर बिल्डर के खिलाफ हो सख्त कार्यवाही : रमेश चंद्र बिढाण

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद मण्डल आयुक्त रमेश चंद्र बिढाण की अध्यक्षता में आज शुक्रवार को फरीदाबाद में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक सेक्टर-12 स्थित एचएसवीपी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की गई। इस बैठक में कुल 14 परिवाद रखे गए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। बैठक में 14 परिवाद रखे गए, जिनमें से 9 परिवादों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। राम प्रकाश पुत्र सुरेश चंद की शिकायत के संबंध में फरीदाबाद मण्डल आयुक्त ने एडीसी को जांच के निर्देश दिए गए। बल्लभगढ़ निवासी शारदा देवी को उसके मकान पर कब्जा मिल चूका है लेकिन दोषी व्यक्ति द्वारा बिजली का बिल न भरने के कारण उसके घर पर बिजली मीटर नहीं लग पा रहा जिस पर संज्ञान लेते हुए फरीदाबाद मण्डल आयुक्त रमेश चंद्र बिढाण ने बिजली बोर्ड को निर्देश दिए कि पुराने बिल की वसूली दोषी व्यक्ति से की जाए और महिला के नाम पर नया मीटर लगाना सुनिश्चित किया जाए। जगदीश पुत्र श्री आशा राम की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम बड़ल को केस के जांच की जिम्मेदारी सौपी। सुभाष लांबा की शिकायत पर रमेश चंद्र बिढाण ने निर्देश दिए की मामले का निपटारा हेड क्वाटर लेवल पर होगा और एचएसवीपी को रिकॉर्ड सही करने और सीवर कनेक्शन की जांच के आदेश दिए। हरिचंद की शिकायत पर एमसीएफ को तुरंत संज्ञान लेते हुए ट्यूबवेल लगाने और पानी का उचित प्रबंध करने के आदेश दिए गए। रश्मि सिंह पत्नी अरूण कुमार सिंह की शिकायत पर मालिक और बिल्डर के बीच जमीनी विवाद पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बिल्डर और पीड़ित को आमने सामने बुला कर मामले की जांच की जाए।

काशी की तर्ज पर सीर गोवर्धन का दिख रहा नया स्वरूप : आदित्यनाथ

वाराणसी (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर सीर गोवर्धनपुर भी नए स्वरूप में दिख रहा है। दस साल पहले यह कल्पना थी, विवाद थे। भव्य समागम की जगह नहीं मिल पाती थी। सड़कें संकरी थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, मार्गदर्शन व नेतृत्व में आज संत का पावन तीर्थ नई दिव्यता-भव्यता से चमकता दिखाई दे रहा है। आज संग्रहालय का शिलान्यास हुआ है। यह संगत जब उनकी 650वीं जयंती को मनाएगा तो अगले तीन वर्ष के अंदर ही भव्य स्मारक संग्रहालय के रूप में देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को संत रविदास की 647वीं जयंती पर उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ। उसके पहले भी लोग घोषणाएं करते थे, लेकिन क्या कार्य हो पाया। प्रधानमंत्री मोदी ने जगद्गुरु रामानंद एवं रविदास जी की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए कार्यों को धरातल पर उतारा है। जगदगुरु

रामानंद ने यही कहा था *जाति-पाति पूछे नहीं कोई-हरि को भजे सो हरि का होई...* यह हमें आज देखने को मिल रहा है। समाज में सबका साथ-सबका विकास का मंत्र साकार हो रहा है। हर गरीब को मकान, शौचालय, पांच लाख रुपये की आयुष्मान भारत की गारंटी मिल रही है। साथ ही जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा रही है। स्वतंत्र भारत में पहली बार बाबा साहेब के पंच तीर्थों को सम्मान देने का कार्य हुआ है। इसके लिए पूरा देश व समाज पीएम के प्रति आभार व्यक्त करता है। योगी ने कहा कि काशी की धरती के माध्यम से पीएम ने देश-दुनिया को नई प्रेरणा दी है। कोरोना कालखंड में हर कोई सशंकित रहता था कि 140 करोड़ भारतवासी कैसे जीवित रहकर आगे बढ़ पाएंगे, लेकिन प्रधानमंत्री ने फ्री में टेस्ट, वैक्सीन व उपचार की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि 600 वर्ष पहले सद्गुरु ने कहा था कि *ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न, छोट-बड़ो सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न...* संत रविदास की इस उक्ति को पीएम मोदी ने चरितार्थ किया। चार वर्ष से 80 करोड़ लोगों को बिना भेदभाव, मुफ्त में राशन मिल रहा है। सद्गुरु के कार्यों को जमीनी धरातल पर उतारकर कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा रहा है। समारोह में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी का मुख्यमंत्री ने स्वागत किया। सभा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, अखिल भारतीय रविदास धर्म संगठन के उपाध्यक्ष नवदीप दास, पूर्व सांसद विजय सांपला, एसएस ढिल्लो, सतपाल, प्रदीप दास आदि उपस्थित रहे।

पीएम मोदी पर जातिगत टिप्पणी को लेकर पुलिस से रिपोर्ट तलब

जयपुर (हिंस)। महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-11, महानगर द्वितीय ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जातिगत टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद पर शास्त्री नगर थाना पुलिस से 26 फरवरी तक रिपोर्ट तलब की है। अधिवक्ता विजय कलंदर ने यह परिवाद पेश किया है। परिवाद में कहा गया की उसने गत 9 फरवरी को अखबार में पढ़ा की राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ पहुंची है। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जन्म से ओबीसी वर्ग के नहीं है। गुजरात की भाजपा सरकार ने मोदी को ओबीसी बनाया है और वे पिछड़ों के हक और हिस्सेदारी के साथ न्याय नहीं कर सकते। परिवाद में कहा गया की भाजपा ने जब राहुल गांधी के इस बयान को झूठा बताया तो उन्होंने कहा की मेरे सच पर मुहर लगाने के लिए धन्यवाद। राहुल गांधी का सार्वजनिक तौर पर दिया ऐसा बयान भारतीय नागरिकों के विभिन्न वर्गों और समुदाय के प्रति अपराध करने के लिए उकसाने के लिए दिया गया है। यह बयान देश में अशांति पैदा करने वाला व देश की सुरक्षा को खतरे में डालने के साथ ही देश की अखंडता के खिलाफ भी है। परिवाद में यह भी कहा गया कि सार्वजनिक तौर पर राहुल गांधी खुद को कश्मीरी कौल पंडित बताते हैं, जबकि उनके दादाजी फिरोज गांधी गैर हिंदू परिवार के थे। अदालत पूर्व में कई फैसलों में कह चुकी है कि पिता की जाति ही उसे बच्चे की जाति होगी। जाति जन्म से होती है और उसे बदला नहीं जा सकता। ऐसे में उन्होंने खुद की जाति छिपाकर बयान दिया है। जिससे परिवादी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। परिवादी ने मामले में शास्त्री नगर थाना पुलिस को शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसलिए मामले में कानून कार्रवाई की जाए।

लुधियाना जेल में कैदी भिड़े, दो घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के लुधियाना सेंट्रल जेल में गुरुवार की रात कैदियों के दो गुटों बीच हुए खूनी संघर्ष में दो कैदी गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि दो अन्य को चोटें आई हैं। लुधियाना जेल में इससे पहले भी कैदियों के बीच हंगामा होता रहा है। ताजा घटनाक्रम में बीती रात दो कैदियों ने नशे में धुत होकर एक-दूसरे पर वार किया। दोनों कैदी हत्या के केस में उम्र कैद की सजा काट रहे हैं। उन्होंने बैरक के बाहर पड़ी ईंटों से एक दूसरे पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने सभी कैदियों को बैरकों में बंद कर दिया।

झारखंड हाई कोर्ट ने अमित शाह पर टिप्पणी मामले में खारिज की राहुल गांधी की याचिका

रांची (हिंस)। झारखंड हाईकोर्ट ने भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। राहुल गांधी ने एमपी-एमएलए कोर्ट के समन के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका खारिज होने के बाद राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत में ट्रायल चलेगा। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अंबुज नाथ की अदालत में मामले की सुनवाई नौ फरवरी को पूरी हो गई थी। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी नवीन झा की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने उन्हें लिखित बहस प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय प्रदान किया था। प्रार्थी राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता दीपांकर ने पैरवी की थी जबकि प्रतिवादी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, विनोद कुमार साहू और कुमार हर्ष ने पक्ष रखा था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का है। वर्ष 2018 में दिल्ली में कांग्रेस का महाधिवेशन हुआ था। इसमें राहुल गांधी ने अमित शाह पर गंभीर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि एक हत्यारा सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। कांग्रेस में ऐसे किसी व्यक्ति को अध्यक्ष नहीं बनाया जाता। राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर उनके खिलाफ वर्ष 2019 में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया गया था। नवीन झा ने कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का केस किया। इसके बाद राहुल गांधी ने हाई कोर्ट में क्रिमिनल क्वैशिंग याचिका दायर की थी।

मालवीया जैसे लोग कांग्रेस के लिए कलंक : रंधावा

भरतपुर (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने शुक्रवार को कहा है कि चुनाव प्रबंधन के लिए मीटिंग की जा रही है। पार्टी कार्यकर्ता बताएंगे कि कहां कमी रही। है। इसी के आधार पर अब आगे की रूपरेखा तय की जाएगी। रंधावा ने माना कि भारतीय जनता पार्टी मैनेजमेंट और डिसिप्लिन दोनों में कांग्रेस से आगे है। पार्टी और परिवार तब ही सही तरीके से चल सकता है, जब अनुशासन सख्ती से लागू किया जाए। अगर थोड़ी भी ढील आ जाएगी तो नुकसान हो सकता है। भरतपुर दौरे पर आए रंधावा ने कहा कि मुझे सीएम नहीं बनाया, फिर भी मैं कांग्रेस के साथ हूं। मुझे सीएम के ऊपर बनाकर भेज दिया। यही एक डिसिप्लिन पार्टी में रहना चाहिए। महेंद्र जीत मालवीया के बीजेपी में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि यह

अफसोसजनक है। मैं तो पहले ही बीजेपी में जाना चाहता था। मुझे मिनिस्टर बनना था। इसका मतलब दाल में कुछ काला है। मंत्री हमारे सबसे ज्यादा हारे, कहां डील थी, कहां उनको छूट दे रखी थी। उन्हें डिसिप्लिन में क्यों नहीं रखा। जो व्यक्ति ऐसी बातें करते हैं। वह पहले अपने गिरेबान में देखें। मालवीया जैसे लोग कांग्रेस के लिए कलंक थे। सीएम भजनलाल शर्मा के लाल बत्ती पर रुकने के बयान पर रंधावा ने कहा कि सीएम जहां जाता है, वहां उसका रूट तय होता है। वहां लाल बत्ती नहीं आती, वहां पूरी पुलिस खड़ी होती है। एक ड्रामा कर लिया। हमारी सरकार ने लाल बत्ती बंद कर दी थी। रंधावा ने कहा कि किसान बिना समर्थन मूल्य के खेती नहीं कर सकता। किसान को अन्नदाता कहने वाले लोग उनपर लाठियां बरसा रहे हैं। किसानों को रोकने के लिए सड़क पर कांटे बिछाए गए हैं। दीवार बना दी गई है। अंग्रेजों के समय भी किसानों का आंदोलन हुआ था। उस समय भी अंग्रेजों ने किसानों को रोका नहीं था। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी उनके साथ मौजूद थे।

उधमपुर में आयोजित की गई जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक

उधमपुर (हिंस)। उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय ने राज्य/विभागीय भूमि अतिक्रमण के मामलों से संबंधित आपत्तियों के मसौदे पर चर्चा करने और उन्हें अंतिम रूप देने के लिए जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त जोगिंदर सिंह जसरोटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलजीत सिंह, सहायक आयुक्त राजस्व डॉ. उमेश शान सहित तहसीलदार और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। चर्चा विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाले 13 मामलों पर केंद्रित थी जिसमें विभिन्न विभागों को प्रभावित करने वाली कानूनी चुनौतियों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। तहसीलदारों को आपत्तियों का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया गया था, यह सुनिश्चित करते हुए कि मामले के समाधान में तेजी लाने के लिए अदालत में बाद में दाखिल करने के लिए जिला कानूनी अधिकारी द्वारा उनकी जांच की जाए। इसके अतिरिक्त तहसीलदारों को अवैध कब्जेदारों के खिलाफ नोटिस जारी करने और बेदखली अभियान चलाने का काम सौंपा गया। डीसी ने अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत अनुवर्ती कार्रवाई, आवश्यक उत्तर शीघ्र दाखिल करने और कानूनी मामलों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में समाधान में तेजी लाने और समग्र जिला प्रगति को बढ़ावा देने के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के महत्व पर जोर दिया गया।

किसान आंदोलन पर बोले जयंत चौधरी दोनों ही तरफ से धैर्य की आवश्यकता

अमरोहा (हिंस)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी शुक्रवार को अमरोहा जनपद के दौरे पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में किसान और सरकार के प्रति बढ़ती तकरार को लेकर कहा कि उम्मीद है कि इसका कोई हल निकलेगा। जयंत ने कहा कि दोनों ही तरफ से धैर्य की आवश्यकता है। उन्होंने बिना किसान का नाम लिए कहा कि उनकी बात मानी जाए। एनडीए से गठबंधन के बाद किन-किन सीटों पर चुनाव लड़ने वाले सवाल पर रालोद अध्यक्ष ने कहा कि अभी इस पर बात नहीं हुई है। बात होगी तो आपको पता चल जाएगा। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक पर ईडी कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर मुझे कुछ नहीं कहना है। अमरोहा पहुंचने पर रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी पार्टी और पारिवारिक लोगों से मुलाकात की और उनसे चुनाव से जुड़ी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अपनों के बीच उनका दुख-दर्द साझा करने आया हूं।

बिहार विधान परिषद की 11 सीटों पर चुनाव की घोषणा

पटना (हिंस)। बिहार विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव की घोषणा कर दी गई है। बिहार विधान परिषद में निर्वाचित 11 सदस्यों का कार्यकाल मई के पहले सप्ताह में पूरा हो रहा है। चुनाव आयोग के तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार, विधान परिषद की रिक्त होनेवाली सीटों पर 4 मार्च को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नामांकन की आखिरी तिथि 11 मार्च है। इसके अगले दिन यानी 12 मार्च को नामांकन की जांच होगी। इसके दो दिन बाद 14 मार्च को नामांकन वापिस लिए जाएंगे और 21 मार्च को चुनाव की तारीख तय की गई है। इसी दिन देर शाम तक चुनाव परिणाम भी घोषित किया जाएगा। विधान परिषद की रिक्त होने वाली इन सीटों पर चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विधान परिषद के जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा होनेवाला है।

निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

भागलपुर (हिंस)। जिले के सुलतानगंज के अजगैबीनाथ धाम में माघी को लेकर शुक्रवार को मसदी पंचायत के शिवनंदनपुर कांवरिया हनुमान मंदिर से भव्य कलश शोभायात्रा यात्रा निकाली गई। कलश शोभायात्रा को मसदी पंचायत के मुखिया निशा कुमारी ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। कलश शोभायात्रा में शामिल महिलाएं अजगैविनाथ उत्तरवाहनी गंगा में कलश में जल भर कर पैदल कांवरिया हनुमान मंदिर शिवनंदनपुर पहुंची। जहां 48 घंटा अखंड रामधुन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इस रामधुन से मसदी पंचायत में सुख शांति होगी। इसलिए हर वर्ष कलश शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान समाजसेवी कुंदन यादव सहित काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

श्रीराम के नाम पर रखा गया था सूरीनाम देश का नाम : अरुण कुमार

मेरठ (हिंस)। सूरीनाम के राजदूत अरुण कुमार हरद्येन ने कहा कि 1975 में आजाद हुए सूरीनाम का नाम श्रीराम के नाम पर ही रखा गया था और सूरीनाम पर भारत और भारतीयों का काफी प्रभाव है। आईआईएमटी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में स्थित देश सूरीनाम के राजदूत अरुण कुमार हरद्येन ने छात्रों से मुलाकात की। इसके बाद सूरीनाम के इतिहास और भौगोलिक परिस्थितियों के बारे में बातचीत की। राजपूत और कमर्शियल अधिकारी संध्या कुमारी मांग्रे का आईआईएमटी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. दीपा शर्मा व कुलसचिव डॉ. वीपी राकेश ने स्वागत किया। विश्वविद्यालय भ्रमण के दौरान राजदूत महोदय ने आईआईएमटी विश्वविद्यालय के हरित और शैक्षिक वातावरण की प्रशंसा की। मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे राजदूत का स्वागत निदेशक प्रशासन डॉ. संदीप कुमार व कमर्शियल

अधिकारी संध्या कुमारी मांग्रे का स्वागत रेडियो डायरेक्टर डॉ. सुगंधा श्रोतिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं श्वेता रस्तोगी ने राजदूत महोदय का जीवन परिचय दिया। सूरीनाम के राजदूत अरुण कुमार हरद्येन ने बताया कि सूरीनाम में 27 फीसदी आबादी भी भारतीयों की ही है। यही वजह है कि सूरीनाम में डच, अंग्रेजी के अलावा हिंदी भी बहुतायत से बोली जाती है। राजदूत ने बताया कि सूरीनाम एकमात्र देश है जो 94 प्रतिशत वर्षा वनों से घिरा हुआ है। अभी तक बाक्साइट की सुरंगें ही सूरीनाम की आय का मुख्य स्रोत रहा है। मगर अब गैस और ऑयल रिफाइनरी को आय के नए स्रोत के तौर पर देखा जा रहा है। लिहाजा भारत के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने के अलावा सूरीनाम में ऑयल रिफाइनरी के एक्सपर्ट्स की मदद की जरुरत महसूस की जा रही है। राजदूत अरुण कुमार हरद्येन ने छात्रों और शिक्षकों के सवालों के जवाब भी दिए। इस अवसर पर एकेटीयू के डायरेक्टर डॉ. संदीप माहेश्वरी, आईआईएमटी विश्वविद्यालय के डीन डॉ. सतीश कुमार, डीन नवनीत शर्मा, मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मरू महोत्सव : गड़ीसर सरोवर पर हुआ योग कार्यक्रम

जैसलमेर (हिंस)। मरू महोत्सव के कार्यक्रमों की कड़ी में शुक्रवार प्रात: तीसरे दिन प्राचीन गड़ीसर सरोवर पर योगा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. रामनरेश शर्मा, आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. चंपा सोलंकी, डॉ. रविप्रकाश शर्मा ने इस दौरान आए पर्यटकों व स्थानीय लोगों को योगाभ्यास करवाया एवं योग की विभिन्न क्रियाएं करवाई। साथ ही आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामबाबू द्वारा सभी योग साधकों को आयुर्वेदिक काढ़ा भी पिलाया गया। आयुर्वेद चिकित्सकों ने योग के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वे अपने जीवन को स्वस्थ रखने के

लिए नियमित रूप से योग करे। उन्होंने कहा कि योग की क्रियाओं से मनुष्य सदैव प्रसन्नचित एवं स्वस्थ रहता है। इस कार्यक्रम में लगभग 70 योग साधकों ने भाग लिया जिसमें विदेशी पर्यटक भी शामिल है। इस दौरान ख्यातनाम कलाकार मालाराम एंड पार्टी ने विभिन्न भजनों की प्रस्तुति दी।

बैंक लूटने आए दोनों बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे

जयपुर (हिंस)। झोटवाड़ा थाना इलाके में स्थित जोशी मार्ग में स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में शुक्रवार सुबह लूट की कोशिश में घुसे दोनों बदमाशों को पुलिस ने पकड लिया। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद भागे बदमाश के पैर में चोट लगी थी, जिसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। फिलहाल बदमाशों से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश चंद बिश्नोई ने बताया कि पकड़ा गया बदमाश कोटपूतली का रहने वाला भरत सिंह है और वारदात करने के लिए वह मौसेरे भाई को लेकर आया था।

अखिलेश यादव ने फिर से उठाया बैलेट पेपर का मुद्दा

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर से बैलेट पेपर का मुद्दा उठाया। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि चंडीगढ़ में हुए चुनाव में बैलेट पेपर से वोट पड़े तो हेराफेरी का पता चला। जो मशीन से वोट पड़ा होता तो कहां से कोई देख पाता। अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जो सरकार किसानों को दुखी करे, नौजवानों की नौकरी-रोजगार छीन ले, वह राष्ट्रवादी सरकार नहीं हो सकती है। प्रदेश में नौजवान सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। हर जगह से शिकायत आ रही है कि पेपर लीक हुआ है। प्रयागराज में आयोग को घेरकर छात्र बैठे हुए हैं। आखिरकार सरकार का हर पेपर लीक क्यों हो रहा है? क्या सरकार ऐसा जानबूझकर तो नहीं कर रही है? उन्होंने सपा और कांग्रेस के गठबंधन पर कहा कि गठबंधन भी ठीक हुआ है और सीटों का बंटवारा भी ठीक हुआ है।

आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की जनता बल्कि देश की जनता भाजपा को हटाने का काम करेगी। हमारे गठबंधन की सरकार बनेगी।

आतंकी गतिविधियों में लिप्त फरार इनामी आतंकी मेराजुद्दीन गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहे पच्चीस हजार रुपए के इनामी आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन (31) निवासी बजरिया रेलवे स्टेशन थाना गंगापुर सिटी को पकड़ा है। जयपुर एटीएस की टीम को दस सालों से इसकी तलाश थी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन बताया कि साल 2014 में स्लीपर सेल ने भारत के विभिन्न स्थानों पर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने की योजना थी। इस मामले में प्रदेश के सीकर, जोधपुर एवं जयपुर जिले से तेरह आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। जिनमें से बारह को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। एडीजी एमएन ने बताया कि इस मामले में थाना स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) जयपुर में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम व विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। पकड़ा गया आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन घटना के समय से फरार चल रहा था। एटीएस-एसओजी एडीजी की ओर से 24 जनवरी 2018 को 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। एजीटीएफ को सूचना मिली कि एटीएस से इनामी आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन गंगापुर सिटी आया हुआ है। सूचना पर टीम द्वारा आतंकी के निवास और आसपास के क्षेत्र में सघन निगरानी की। सूचना पुख्ता होने के बाद स्थानीय थाना जाब्ता की मदद से आंतकी को पकड़ा गया। इसे अग्रिम कार्रवाई के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) टीम को सुपुर्द कर दिया गया है। एडीजी ने बताया कि आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन दिल्ली में ओखला स्थित मरकस, गुजरात एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों में फरारी काट रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि यह और इसके साथी इंडियन मुजाहिद्दीन एवं अन्य इस्लामी संगठनों से संपर्क में थे। साल 2014 में इनके द्वारा विभिन्न स्थानों पर आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की योजना थी, पर इससे पहले ही इनके साथी सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त में आ गए थे। एमएन ने बताया कि आतंकी मोहम्मद मेराजुद्दीन को राजस्थान आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को सुपुर्द किया जा चुका है। अग्रिम कार्रवाई उनके द्वारा की जा रही है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है इसमें और भी खुलासे हो सकते हैं।

भारत टेक्स 2024 में 100 से अधिक देश भाग लेंगे

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 फरवरी को भारत टेक्स 2024 का उद्घाटन करेंगे जो देश का सबसे बड़ा वैश्विक टेक्सटाइल कार्यक्रम होगा। इसमें 100 देशों के खरीदारों और 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय वक्ता शामिल होंगे।कपड़ा मंत्रालय की सचिव रचना शाह ने कहा कि यह आयोजन परंपरा और प्रौद्योगिकी का मिश्रण होगा, जो नीति निर्माताओं और वैश्विक सीईओ के अलावा 3,500 से अधिक एग्जिबिटरों, 100 से अधिक देशों के तीन हजार से अधिक खरीददारों और 50 हजार से अधिक व्यापार आगंतुकों को आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम को कोच, टॉमी हिलफिगर, केल्विन क्लेन, वेरो मोडा, कोट्स, टोरे, एचएंडएम, गैप, टारगेट, लेविस, कोहल्स सहित प्रमुख वैश्विक कपड़ा कंपनियों के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिन्होंने अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, फ्रांस, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और बहुपक्षीय संगठनों तथा वैश्विक कपड़ा संघों सहित प्रमुख कपड़ा केंद्रों के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार दिवसीय कार्यक्रम राष्ट्रीय राजधानी में दो स्थानों भारत मंडपम और यशोभूमि में फैले 22 लाख वर्ग फुट से अधिक प्रदर्शनी क्षेत्र में आयोजित होगा। रचना शाह ने कहा, प्रधानमंत्री के 5एफ विजन से प्रेरित इस कार्यक्रम में एकीकृत फार्म टू फैशन पर फोकस होगा। यह पूरे वैल्यू चेन को कवर करेगा। यह भारत को कपड़ा क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने, अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने और पूरे भारतीय कपड़ा पारिस्थितिकी तंत्र में गति पैदा करने में मददगार होगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम 11 कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषदों के एक संघ द्वारा कपड़ा मंत्रालय के समर्थन से आयोजित किया जाएगा। भारत टेक्स व्यापार और निवेश के दोहरे स्तंभों पर आधारित है और स्थिरता तथा लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं पर व्यापक ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, राजस्थान और कर्नाटक सहित देश के प्रमुख कपड़ा उद्योग वाले राज्य समर्पित मंडपों और सरकारी प्रतिनिधित्व के साथ कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत टेक्स प्रदर्शनी में परिधान, घरेलू साज-सज्जा, फर्श कवरिंग, फाइबर, सूत, धागे, कपड़े, कालीन, रेशम, कपड़ा आधारित हस्तशिल्प, तकनीकी वस्त्र और बहुत कुछ शामिल हैं। उन्होंने कहा, इसमें देश के फैशन खुदरा बाजार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक खुदरा हाई स्ट्रीट भी होगा।

उन्होंने कहा कि इसमें वैश्विक कपड़ा उद्योग के सामने आने वाले मुद्दों तथा चुनौतियों और भारत की ताकतों पर विचार-विमर्श करने के लिए 350 वक्ताओं के साथ एक वैश्विक स्तर का सम्मेलन भी होगा, जिसका लाभ इन मुद्दों के समाधान के लिए उठाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाने वाले सरोगेट विज्ञापनों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की

मुंबई। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) के सहयोग से शराब जैसी प्रतिबंधित श्रेणियों में उत्पादों को बढ़ावा देने वाले सरोगेट विज्ञापनों की समस्या को सामूहिक रूप से हल करने के लिए एक हितधारक परामर्श जारी किया।ऐसे विज्ञापन उपभोक्ता अधिकारों को कमजोर करते हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए संभावित खतरा पैदा करते हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग में सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि प्रतिबंधित श्रेणियों में उत्पादों को बढ़ावा देने वाले सरोगेट विज्ञापन उपभोक्ता अधिकारों को कमजोर करते हैं और इसके गंभीर प्रभाव हो सकते हैं। उद्योगों में सरोगेट विज्ञापनों के प्रसार को प्रतिबंधित करने की तत्काल जरूरत है। यदि संबंधित प्रतिबंधित उद्योग इस दिशानिर्देश का पालन करने और मौजूदा कानूनों का पालन करने में विफल रहते हैं, तो और कठोर कार्रवाई की जाएगी। सिंह ने कहा, हम इस उभरते मुद्दे से निपटने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अत्यंत स्पष्टता के साथ अपने रुख की पुष्टि की कि सरोगेट विज्ञापन में किसी भी निरंतर भागीदारी को माफ नहीं किया जाएगा। यह रेखांकित किया गया कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। परामर्श में मुख्य चर्चा बिंदुओं को इस प्रकार रेखांकित किया गया ब्रांड एक्सटेंशन और विज्ञापित प्रतिबंधित उत्पाद या सेवा के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए विज्ञापन की कहानी या दृश्य में केवल विज्ञापित उत्पाद को दर्शाया जाना चाहिए, न कि किसी भी रूप में निषिद्ध उत्पाद को विज्ञापन में प्रतिबंधित उत्पादों का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संदर्भ नहीं होना चाहिए विज्ञापन में प्रतिबंधित उत्पादों को बढ़ावा देने वाली कोई भी बारीकियां या वाक्यांश नहीं होने चाहिए विज्ञापन में प्रतिबंधित उत्पादों से जुड़े रंग, लेआउट या प्रस्तुतियों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए विज्ञापन में अन्य उत्पादों का विज्ञापन करते समय निषिद्ध उत्पादों के प्रचार के लिए विशिष्ट स्थितियों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए परामर्श में 2022 में भ्रामक विज्ञापनों और भ्रामक विज्ञापनों के समर्थन की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश भी शामिल किए गए और सरोगेट विज्ञापन से निपटने के लिए प्रभावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए उद्योग हितधारकों, नियामक निकायों और विशेषज्ञों की एक श्रृंखला के लिए सरोगेट विज्ञापन की एक सटीक परिभाषा पेश की गई। मुख्य चर्चाएं पारदर्शिता बढ़ाने, प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने और जिम्मेदार विज्ञापन प्रथाओं को बढ़ावा देने के इर्द-गिर्द घूमती रहीं। परामर्श में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी), सूचना और प्रसारण मंत्रालय और ट्रेडमार्क प्राधिकरण सहित सरकारी निकायों के प्रमुख हितधारक शामिल थे, जिन्होंने ऐसे सरोगेट विज्ञापनों को विनियमित करने के तरीके पर अपने विचार साझा किए।

बायजू के बोर्ड से परिवार को हटाने के लिए ईजीएम; रवींद्रन रहे दूर, चार निवेशक एनसीएलटी पहुंचे

नई दिल्ली । बायजू के शेयरधारकों की एक असाधारण आम बैठक (ईजीएम) हुई। ईजीएम में कुछ निवेशकों की ओर से कंपनी के संस्थापक सीईओ बायजू रवींद्रन और उनके परिवार पर कथित कुप्रबंधन और विफलताओं का आरोप लगाकर उन्हें हटाने के प्रस्ताव पर मतदान किया गया। हालांकि, रवींद्रन और उनका परिवार ईजीएम से दूर रहे और इसे प्रक्रियात्मक रूप से अमान्य बताया। बायजू के चार निवेशकों ने एनसीएलटी में दायर की याचिका ईजीएम से पहले, बायजू के चार निवेशकों के एक समूह ने एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ में कंपनी के प्रबंधन के खिलाफ उत्पीड़न और कुप्रबंधन का मुकदमा दायर किया। याचिका में सीईओ बायजू रवींद्रन सहित संस्थापकों को कंपनी चलाने के लिए अयोग्य घोषित करने और एक नए बोर्ड की नियुक्ति करने की मांग की गई है। याचिका में हाल ही में समाप्त हुए राइट्स इश्यू को रद्द करने और खातों का फॉरेंसिक ऑडिट कराने की भी मांग की गई है। मामले की सीधी जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि ईजीएम शुरू होनी थी, लेकिन लगभग एक घंटे की देरी हुई क्योंकि लगभग 200 लोग, जिनमें से कुछ बायजू के कर्मचारी हैं, ईजीएम में वर्चुअल तरीके से शामिल हुए। हालांकि, ईजीएम में हुई वोटिंग का परिणाम 13 मार्च तक लागू नहीं होगा, इस दिन कर्नाटक उच्च न्यायालय कुछ निवेशकों द्वारा इस कदम को चुनौती देने वाली रवींद्रन की याचिका पर अगली सुनवाई करेगा। उच्च न्यायालय ने ईजीएम पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

डब्ल्यूईएफ बोला-आने वाले वर्षों में भारत बनेगा 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ रही जीडीपी

नई दिल्ली।

भारत दुनिया की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश आने वाले समय में 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और जल्द ही यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बन जाएगा। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने कहा, यह रेखांकित करना आवश्यक है कि आर्थिक वृद्धि इतनी बुरी नहीं है। खासकर भारत के मामले में, जहां हम 7 फीसदी की वृद्धि देख रहे हैं।

भारत के अगले दो से तीन वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बनने के लक्ष्य पर ब्रेंडे ने कहा, भारत महत्वपूर्ण सुधारों से गुजरा है। वह दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन की तुलना में अच्छी स्थिति में है। देश आने वाले वर्षों में 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। इसके अलावा, भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में अच्छी वृद्धि देख रहा है। अब भारत में बहुत सारी विनिर्माण गतिविधियां हो रही हैं, जो अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं में होती थीं।

पीएम मोदी का हमेशा स्वागत

विश्व आर्थिक मंच समय आने पर भारत सरकार के सहयोग से डब्ल्यूईएफ इंडिया शिखर सम्मेलन के साथ देश में वापस आने की उम्मीद करता है। हमने इस साल दावोस में देखा कि भारत को लेकर दुनिया की काफी दिलचस्पी है और मुझे लगता है कि यह आने वाले समय में भी जारी रहेगा। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दावोस में हमेशा बहुत-बहुत स्वागत है। -बोर्गे ब्रेंडे, अध्यक्ष, विश्व आर्थिक मंच

10 साल के मजबूत सुधारों ने रखी ठोस विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार की ओर से पिछले 10 वर्षों में शुरू किए गए मजबूत सुधार उपायों ने आने वाले दशकों के लिए ठोस आर्थिक विकास की नींव रखी है। बड़े वैश्विक निवेशकों के लिए भारत को नजरअंदाज करना असंभव होगा।जेफरीज इक्विटी रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा, भारत की जीडीपी अगले चार वर्षों में 5 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी। देश 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2030 तक जीडीपी का आकार 10 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा। जीएसटी व्यवस्था ने कराधान को सरल बनाया है।दिवालिया कानून में सुधारों से कॉरपोरेट और बैंकिंग क्षेत्र की बैलेंस शीट व कामकाज में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ। भारतीय शेयर बाजारों में 2023 में 20 अरब डॉलर का निवेश आया। हालांकि, यह बाजार पूंजी के फीसदी के रूप में पिछले वर्षों की तुलना में उतना अधिक नहीं है। ब्रेंडे ने बृहस्पतिवार को एक साक्षात्कार में कहा, जब आप भारत आते हैं तो उम्मीद से भरा महसूस करते हैं। ऐसा हर जगह महसूस नहीं होता। हम भू-राजनीतिक मंदी, खंडित व ध्रुवीकृत दुनिया का सामना कर रहे हैं। लेकिन, अब भी ऐसे क्षेत्र हैं, जहां हम सहयोग कर सकते हैं। भू-राजनीतिक संघर्षों से निपटने में भारत की भूमिका पर उन्होंने कहा, हम आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनयिक स्तर पर भारत की बड़ी छाप देखेंगे।

डिजिटलीकरण के मोर्चे पर भारत महत्वपूर्ण देश

डब्ल्यूईएफ अध्यक्ष ने भारत की डिजिटल प्रतिस्पर्धात्मकता की तारीफ करते हुए कहा, आज दुनिया में डिजिटल व्यापार पारंपरिक कारोबार की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। बात जब डिजिटलीकरण की आती है तो 1.4 अरब लोगों के पास डिजिटल आईडी, लिंक्ड बैंक खाते और प्रभावी भुगतान प्रणाली के साथ भारत महत्वपूर्ण देश है।

जियो फाइनेंशियल शेयर के शेयर में आई शानदार तेजी, 2 लाख करोड़ के पार पहुंचा कंपनी का एम-कैप

नई दिल्ली।

शेयर बाजार तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। बाजार में आई तेजी में रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी जियो फाइनेंशियल का भी अहम भूमिका है। जियो फाइनेंशियल के शेयर में शानदार तेजी देखने को मिली है। खबर लिखते वक्त जियो फाइनेंशियल के शेयर 30.60 अंक या 10.10 फीसदी की तेजी के साथ 333.45 रुपये पर कारोबार कर रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 2,988.80 रुपये प्रति शेयर के इंट्रा-डे उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जियो फाइनेंशियल के शेयर में आई तेजी के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। बता दें कि 13 फरवरी 2024 को रिलायंस इंडस्ट्रीज का एम-कैप 20 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया था। मुकेश अंबानी के अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की पहली कंपनी है जिसका बाजार मूल्यांकन 20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस महीने की शुरुआत में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की फाइनेंशियल सर्विस ब्रांत ने स्पष्ट किया कि वह पेटीएम वॉलेट के अधिग्रहण के लिए कोई बातचीत नहीं कर रही है।

जियो फाइनेंशियल तिमाही नतीजे

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने दिसंबर तिमाही में बताया कि उनका नेट प्रॉफिट घटकर 293 करोड़ रुपये हो गया था। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 668 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं कंपनी का नेट इंटरेस्ट इनकम 269 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा दिसंबर तिमाही में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का टोटल इंटरेस्ट इनकम 414 करोड़ रुपये और रेवेन्यू 413 करोड़ रुपये था।

मुनाफावसूली के दबाव में शुरुआती बढ़त गँवाकर गिरावट में बंद हुआ निफ्टी

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी हरे निशान में खुलने के बाद सुबह की बढ़त को बरकरार रखने में विफल रहा, और मुनाफावसूली के कारण मामूली गिरावट में बंद हुआ। निफ्टी 50 4.75 अंक (0.02 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 22,212.70 अंक पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 15.44 अंक (0.02 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 73,142.80 अंक पर बंद हुआ।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने कहा कि हालाँकि, अल्पावधि के लिए धारणा सकारात्मक रही क्योंकि सूचकांक 22,200 के महत्वपूर्ण प्रतिरोध स्तर से ऊपर बंद हुआ। अगला प्रतिरोध 22,400 पर देखा गया। अल्पकालिक समर्थन 21,900 पर स्थित है। उन्होंने कहा, जब तक निफ्टी 21,900 से ऊपर का स्तर बनाए रखता है, तब तक गिरावट की स्थिति में खरीदारी शुरू हो जाएगी।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेतों के कारण घरेलू बाजार दिन की शुरुआत में एक और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद कुछ देर के लिए ठिठक गये। विशेष रूप से, पूंजीगत सामान और औद्योगिक क्षेत्रों ने मजबूती दिखाई, जो विनिर्माण और सेवाओं में प्रगति से समर्थित है। जैसे-जैसे वित्तीय परिणाम जारी करने का मौसम खत्म हो रहा है, बाज़ार बेसब्री से नए उत्प्रेरकों का इंतज़ार कर रहा है। नायर ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, अमेरिकी बांड पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी और बढ़े हुए मूल्यांकन पर चिंता बनी हुई है, जिससे विदेशी संस्थागत निवेशकों के बिकवाल बने रहने की संभावना है।

पीएम मोदी के बारे में जेमिनी-एआई ने दी गलत जानकारी : केंद्रीय मंत्री ने कहा- गूगल ने आईटी एक्ट के नियमों और क्रिमिनल कोड के प्रावधानों का उल्लंघन किया

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में जेमिनी एआई के जनरेटेड रिस्पांस के खिलाफ गूगल इंडिया को चेतावनी दी है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि गूगल ने आईटी एक्ट के नियमों और क्रिमिनल कोड के प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

राजीव चंद्रशेखर ने ङ्क पर एक पोस्ट को री-शेयर किया, जिसमें बताया गया है कि कैसे गूगल का जेमिनी एआई कुछ प्रॉमिनेंट ग्लोबल लीडर्स के बारे में पूछे गए सवालों पर गलत जानकारी देता है, जिसमें पीएम मोदी भी शामिल हैं।

गूगल ने क्रिमिनल कोड के प्रावधानों का उल्लंघन किया: राजीव चंद्रशेखर

राजीव चंद्रशेखर ने अपनी पोस्ट में लिखा, ये सीधे तौर पर आईटी एक्ट के इंटरमीडियरी रूल्स (आईटी रूल्स) के नियम का उल्लंघन है और क्रिमिनल कोड के कई प्रावधानों का भी उल्लंघन है।

गूगल के जेमिनी एआई को आलोचना का सामना करना पड़ रहा

इतिहास के कुछ हिस्सों को गलत ढंग से पेश करने के लिए भी गूगल के जेमिनी एआई को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

कई जेमिनी एआई यूजर्स ने ऐतिहासिक रूप से कई गलत कंटेंट की इमेजेस सोशल मीडिया पर शेयर कीं हैं।

जेमिनी में आ रही समस्याओं को ठीक करने पर काम कर रहे: गूगल

इस पर गूगल ने कहा था कि हम पहले से ही जेमिनी के इमेज जनरेशन फीचर में आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं। ऐसा करते समय हम लोगों के इमेज जनरेशन को रोक देंगे और जल्द ही एक बेहतर वर्जन फिर से जारी करेंगे।

नोकिया, भारतीय विज्ञान संस्थान ने पीएम मोदी के 6जी विज़न को आगे बढ़ाने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 6जी में अग्रणी भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप दूरसंचार उपकरण बनाने वाली नोकिया ने संयुक्त रूप से 6जी प्रौद्योगिकियों पर शोध करने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के साथ साझेदारी की घोषणा की। नोकिया और आईआईएससी बेंगलुरु में कंपनी की नई 6जी लैब में एक साथ काम करेंगे, जहां वे अनुसंधान के तीन मुख्य क्षेत्रों - 6जी रेडियो प्रौद्योगिकियों, 6जी आर्किटेक्चर और 6जी एयर इंटरफेस में मशीन लर्निंग के इस्तेमाल को आगे बढ़ाएंगे।

नोकिया ने एक बयान में कहा, यह सहयोग 6जी प्रौद्योगिकी और मानकों के पारिस्थितिकी तंत्र में अपने संयुक्त अनुसंधान में योगदान देने के उद्देश्य से संदर्भ आर्किटेक्चर, सॉफ्टवेयर फ्रेमवर्क और एल्गोरिदम विकसित करेगा।

नोकिया के मुख्य रणनीति और प्रौद्योगिकी अधिकारी निशांत बत्रा ने कहा, वैश्विक दूरसंचार मंच पर भारत का महत्व सबसे अधिक है। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय विज्ञान और शिक्षा जगत के सबसे प्रतिभाशाली बुद्धिजीवियों के साथ काम करने पर गर्व है क्योंकि 6जी अर्थव्यवस्था के लिए एक शक्ति गुणक है।

शोध की प्रकृति वैश्विक है, लेकिन नोकिया और आईआईएससी 6जी उपयोग के मामलों पर विशेष ध्यान देंगे जो भारत के लिए विशेष महत्व के क्षेत्रों को संबोधित करते हैं। उपयोग के मामलों में अधिक टिकाऊ और ऊर्जा-कुशल संचार प्रणाली बनाना, महत्वपूर्ण संचार के लिए नेटवर्क के लचीलापन और विश्वसनीयता में सुधार करना और एआई का उपयोग करना तथा परिवहन सुरक्षा में सुधार, स्वास्थ्य देखभाल में वृद्धि और शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए सेंसर के रूप में नेटवर्क प्रौद्योगिकियों का विकास करना शामिल है। आईआईएससी के निदेशक प्रोफेसर गोविंदन रंगराजन ने कहा, आईआईएससी को 2030 तक 6जी प्रौद्योगिकी के डिजाइन, विकास और तैनाती में अग्रणी योगदानकर्ता बनने के भारत के मिशन में योगदान करने का सौभाग्य मिला है, जैसा कि पीएम मोदी द्वारा जारी भारत 6जी विजन दस्तावेज़ में कल्पना की गई है। पीएम मोदी ने पिछले साल मार्च में दिल्ली के विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम में नए इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) एरिया ऑफिस और इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन किया, जहां उन्होंने भारत 6जी विजन डॉक्यूमेंट का भी अनावरण किया और देश में 6जी आरएंडडी टेस्ट बेड लॉन्च किया। भारत 6जी विज़न दस्तावेज़ में देश को 2030 तक 6जी प्रौद्योगिकी के डिजाइन, विकास और तैनाती में अग्रणी योगदानकर्ता बनने की परिकल्पना की गई है।

सोना 62 हजार के पार, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव सुस्ती के साथ खुले। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुलने के बाद कारोबार के अंत में गिरावट के साथ बंद हुए थे। सोने के वायदा भाव 62 हजार रुपये से ऊपर और चांदी के वायदा भाव 70 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव में तेजी, जबकि चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 131 रुपये की तेजी के साथ 62,108 रुपये के भाव पर खुलकर 62 रुपये की तेजी के साथ 62,039 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 113 रुपये की गिरावट के साथ 70,154 रुपये के भाव पर खुलकर 134 रुपये की गिरावट के साथ 70,135 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत पिछले बंद भाव पर ही हुई।

टी20 में रोहित , सूर्यकुमार के नाम है सबसे ज्यादा शतक

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा शतक हैं। इसमें कप्तान रोहित शर्मा और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव है। रोहित के नाम पांच जबकि सूर्या के नाम चार शतक हैं। ऐसे में जून में होने वाले टी20 विश्वकप में भारतीय टीम खिताब की एक प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इसमें जीत हासिल कर अपने नाम एक आईसीसी खिताब करना चाहेंगे। रोहित के अलावा ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, के नाम भी टी20 में पांच शतक हैं। ये तीनो ही ऐसे बल्लेबाज हैं जो कभी भी मैच का रुख मोड़ सकते हैं। मैक्सवेल ने हाल में विंडीज के खिलाफ सीरीज के दूसरे टी20 में शतक लगाकर रोहित के पांच शतकों की बराबरी की है। सबसे कम पारियों में पांच शतक का रिकार्ड मैक्सवेल के नाम है। . मैक्सवेल ने 102 टी20 अंरराष्ट्रीय की 94 पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 145 रन रहा है। मैक्सवेल ने अबतक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2405 रन बनाये हैं और उनके नाम 10 अर्धशतक भी हैं। मैक्सवेल का स्ट्राइक रेट 155.26 का रहा है। वहीं रोहित ने 151 मैचों की 143 पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 121 रन रहा है। उन्होंने इस दौरान 29 अर्धशतक लगाये हैं। आगामी टी20 विश्व कप में रोहित कई और शतक लगा सकते हैं। उनका स्ट्राइक रेट 139.97 का है जबकि औसत 31.79 का है। वहीं सूर्यकुमार ने 60 मैचों की 57 पारियों में 4 शतक लगाये हैं। वह टी20 सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में तीसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने 10 बार नाबाद रहते हुए 171.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी का औसत 45.55 का रहा है। वहीं हैरान करना वाला नाम चेक गणराज्य के सबावून दाविजी का है। इस खिलाड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अबतक 3 शतक लगाये हैं। उन्होंने 31 पारियों में यह रिकार्ड बनाया है। दाविजी का सबसे अधिक स्कोर नाबाद 115 रन रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपियन दीपिका ने मां बनने के बाद की वापसी, भारतीय तीरंदाज एशिया कप की छह स्पर्धाओं के फाइनल में

नई दिल्ली । भारतीय तीरंदाज यहां एशिया कप के पहले चरण में छह टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचे जिससे उन्होंने कम से कम इतने पदक पक्के कर दिए। इसमें दुनिया की पूर्व नंबर एक महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी भी शामिल हैं जो 20 महीने बाद वापसी कर रही हैं। तीन बार की ओलंपियन दीपिका मां बनने के बाद वापसी कर रही हैं। वह महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में सिमरनजीत कौर के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। एलिमिनेशन दौर में भारतीय महिला रिकर्व टीम ने मेजबान इराक को हराकर फाइनल में जगह बनाई जिसमें उनकी भिड़ंत उज्बेकिस्तान से होगी। महिला टीम में भजन कौर भी शामिल हैं। धीरज बोमादेवारा, प्रवीण जाधव और तरुणदीप राय की पुरुष रिकर्व टीम ने मेजबानों को सीधे सेट में पराजित किया और फाइनल में उनका सामना बांग्लादेश से होगा। भारत के प्रथमेश जावकर, प्रियांश और कुशाल दलाल ने सेमीफाइनल में मेजबान इराक को 233-223 से हराकर पुरुष कंपाउंड टीम के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें वे ईरान के सामने होंगे। अदिति स्वामी, प्रिया गुर्जर और परनीत कौर की टीम ने कम्पाउंड महिला टीम स्पर्धा में अफगानिस्तान को 234-210 से मात दी और फाइनल में टीम ईरान से भिड़ेगी।जावकर और अदिति की कंपाउंड मिश्रित टीम जोड़ी ने अंतिम चार चरण में बांग्लादेश को 157-146 से हराया और फाइनल में उनका सामना ईरान से होगा।

दीया और स्वस्तिका प्रशिक्षण के लिए दक्षिण कोरिया और जापान जाएंगी

नई दिल्ली । महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी दीया चितले और स्वस्तिका घोष अब प्रशिक्षण के लिए

विदेश जाएंगी। खेल मंत्रालय ने इन दोनो को विदेश में शीर्ष स्तर के प्रशिक्षण की अनुमति दे दी है। इन दोनो को दक्षिण कोरिया और जापान भेजा जाएगा। दीया शिन मिन सुंग के मार्गदर्शन में जबकि स्वास्तिका स्वस्तिका कियू जियान शिन से प्रशिक्षण लेंगी। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने इन दोनो के प्रस्ताव स्वीकार करते हुए इस दौरे का पूरा खर्च उठाने की बात कही है। मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत खिलाड़ियों से संबंधित विभिन्न इन खर्चों का वहन किया जाएगा। एमओसी ने इसके अलावा बैडमिंटन खिलाड़ियों किरण जॉर्ज और अनुपमा उपाध्याय, त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल टीम और निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल के प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी। किरण और अनुपमा बीडब्ल्यूएफ ऑरलियन्स मास्टर्स में भाग लेंगे तो वहीं त्रीसा और गायत्री की जोड़ी अपने कोच और फिजियो के साथ बीडब्ल्यूएफ जर्मन ओपन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए जर्मनी जाएगी। वहीं राइफल निशानेबाज रुद्राक्ष 'इंटरनेशनल सेसन स्टार्ट फॉर शूटर्स (आईएसएएस 2024) प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए डोर्टमंड जाएंगे।

निजी कारणों के चलते रेहान अहमद की स्वदेश वापसी

नई दिल्ली। पारिवारिक कारणों के चलते इंग्लैंड के लेग स्पिनर रेहान अहमद को भारत का दौरा बीच में ही

छोड़ना पड़ा है। अपने बयान में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि रेहान सीरीज़ में वापस नहीं आएंगे और इंग्लैंड के दल में किसी तरह का बदलाव भी नहीं किया जाएगा। 19 वर्षीय रेहान ने भारत के ख़िलाफ़ तीनों टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया। तीन टेस्ट में रेहान ने 44 की औसत से कुल ग्यारह विकेट अपने खाते में जोड़े। इसमें विशाखापटनम में 153 रन देकर लिए गए छह विकेट भी शामिल हैं। हालांकि रांची में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में वह इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। रेहान को प्लेइंग इलेवन से बाहर किए जाने का कारण उनकी स्वदेश वापसी नहीं थी। इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन की घोषणा होने के बाद रेहान के सामने स्वदेश वापसी की स्थिति पनपी। रेहान इंग्लैंड के अंतिम अभ्यास सत्र में भी शामिल थे। इसी महीने की शुरुआत में रेहान को राजकोट पहुंचने पर रोक लिया गया था। हालांकि जल्द ही काग़ज़ी कार्यवाही पूरी कर ली गई थी और वह राजकोट टेस्ट खेले थे। राजकोट में रेहान ने तीन विकेट अपने नाम किए थे। चौथे टेस्ट में रेहान की जगह शोएब बशीर को मौक़ा दिया गया है। बशीर के साथ एक अन्य स्पिनर टॉम हार्टली इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में मौजूद हैं।

ई-स्पोर्ट्स और प्रौद्योगिकियां : भविष्य के खेलों की मेजबानी कर रहा है रूस

नई दिल्ली।

रूसी शहर कज़ान में 19 फरवरी से 3 मार्च तक फिजिटल खेलों का आयोजन हो रहा है जिन्हें भविष्य के खेल नाम दिया गया है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय टीमें भी हिस्सा ले रही हैं। फिजिटल स्पोर्ट्स में पारंपरिक खेल, ई-स्पोर्ट्स और प्रौद्योगिकियों का संयोजन है। प्रतिभागी वस्तुतः वर्चुअल और वास्तविक दुनिया दोनों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। भविष्य के खेलों से पहले प्रतियोगिताओं का आयोजन कर फ़िजिटल गेम्स के लिए प्रतिभागियों का चयन किया गया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और सर्बिया के राष्ट्रपतियों ने 21 फरवरी को कज़ान में इस साल के टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

टूर्नामेंट में एक करोड़ डॉलर के पुरस्कार रखे गये हैं। अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, फिनलैंड, लातविया, एस्टोनिया, चीन, अफ्रीकी, दक्षिण अमेरिकी और अरब देशों सहित कुल 107 देशों के दो हजार से अधिक एथलीट हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता फिजिटल प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जो एआर और वीआर सहित डिजिटल और भौतिक आयामों का संयोजन है। प्रतियोगी साइबरस्पोर्ट्स, रोबोटिक्स, ऑग्मेंटेड और वर्चुअल रियलिटी, सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशल इंटेलीजेंस में नवीनतम उपलब्धियों का उपयोग करेंगे। पारंपरिक और डिजिटल खेलों को मिलाकर कुल 21 तरह के खेल हैं। इसलिए प्रतियोगियों को न केवल अपनी शारीरिक फिटनेस, बल्कि ई-स्पोर्ट्स में अपने कौशल का भी प्रदर्शन करना होगा।

टूर्नामेंट को पांच चुनौतियों में बांटा गया है। सबसे बड़ा पुरस्कार पूल (48 लाख डॉलर) स्पोर्ट्स चैलेंज के लिए आवंटित किया गया है, जिसमें फिजिटल फुटबॉल, फिजिटल हॉकी, फिजिटल बास्केटबॉल, फिजिटल मार्शल आर्ट और अन्य प्रतियोगिताएं शामिल होंगी।

इसके बाद 26.5 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि के साथ स्ट्रेटिजी चैलेंज है, जिसमें डोटा 2, मोबाइल लीजेंड्स: बैंग बैंग और वर्ल्ड ऑफ टैंक भी शामिल होंगे।

प्रौद्योगिकी चुनौती में रोबोट युद्ध, ड्रोन रेसिंग, खेल प्रोग्रामिंग, डांस सिम्युलेटर, वर्चुअल रियलिटी रिदम सिम्युलेटर शामिल हैं। टैक्टिक्स चैलेंज में काउंटर स्ट्राइक 2, वारफेस और मोबाइल स्टैंडऑफ़ 2 शामिल हैं।

पहला टूर्नामेंट डोटा 2 के साथ शुरू हुआ जिसमें एलजीडी गेमिंग, इनविक्टस गेमिंग, एक्सट्रीम गेमिंग, चीन की अजूअर रे, साउथ अमेरिकन बीस्टकोस्ट, थंडर अवेकन और बूम ईस्पोर्ट्स जैसी टीमों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, भविष्य के खेल राजनीति, भेदभाव और दोहरे मानकों से मुक्त हैं।

पुतिन ने यह भी कहा कि पारंपरिक और साइबरस्पोर्ट्स को संयोजित करने का अनूठा विचार रूस में पैदा हुआ था। उन्होंने फिजिटल टूर्नामेंट को वैश्विक खेल परिवार के लिए एक उपहार कहा।

रूसी खेल मंत्री ओलेग मैटिस्तिन ने कहा कि रूस को इस अनूठी अग्रणी प्रतियोगिता की मेजबानी करने पर गर्व है।

फिजिटल स्पोर्ट्स को जनवरी 2023 में रूस में आधिकारिक तौर पर एक खेल के रूप में मान्यता दी गई थी। डिजिटल और फिजिकल स्पेस को मिलाकर प्रतियोगिता 3 मार्च तक आयोजित की जाएगी।

वेस्टइंडीज की मौजूदा टी20 टीम के पास वर्ल्ड कप जीतने की क्षमता: ब्रावो

नई दिल्ली।

खतरनाक ऑलराउंडरों से सजी हुई वेस्टइंडीज टीम का टी20 क्रिकेट में दबदबा रहा है, लेकिन बीते दो टी20 वर्ल्ड कप इस टीम के लिए बेहद खराब रहे। हालांकि, पूर्व क्रिकेटर ड्वेन ब्रावो का मानना है कि पिछले दो टी20 विश्व कप में संघर्ष के बावजूद मौजूदा वेस्टइंडीज टीम जून में आगामी मेगा इवेंट में तीसरा खिताब जीतने की क्षमता रखती है।

वेस्टइंडीज ओमान और यूएई में 2021 टी20 विश्व कप में सिर्फ एक जीत हासिल कर सका और फिर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में सुपर 12 चरण के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहा।

लेकिन ब्रावो वेस्टइंडीज के हालिया फॉर्म से खुश हैं। उन्होंने पिछले 12 महीनों के दौरान टी20 श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड को हराया है। इसलिए ब्रावो को लगता है कि कैरेबियाई टीम इस साल के आयोजन की यूएसए के साथ सह-मेजबानी में तहलका मचा सकती है।

ब्रावो ने न्यूयॉर्क में 2024 टी20 विश्व कप के शुरू होने के 100 दिन पूरे होने के जश्न के हिस्से के रूप में कहा, मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज टीम के पास आईसीसी ट्रॉफी जीतने का बहुत अच्छा मौका है।

खिलाड़ियों का यह मौजूदा समूह लंबे समय से एक साथ रखी गई बेहतर टीमों में से एक है और मेरा मानना है कि वो इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। कैरेबियाई लोग निश्चित रूप से बड़ी संख्या में बाहर जाएंगे और उनका समर्थन करेंगे और ट्रॉफी जीतना बहुत महत्वपूर्ण है।

आईपीएल 2024 का कार्यक्रम घोषित

सीएसके और आरसीबी में होगा पहला मुकाबला

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के17 वें सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें शुरुआती मुकाबला गत विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) से होगा। सीएसके की कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी के पास ही रहेगी जबकि आरसीबी की कमान फाफ डुप्लेसी संभालेंगे। यह मुकाबला 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। वहीं पिछले बार की उप विजेता गुजरात टाइटंस का शुरुआती मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। मुंबई की कप्तानी हार्दिक पंड्या करेंगे। यह मुकाबला 24 मार्च को अहमदाबाद में होगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल 2024 के लिए 17 दिन का पहले सत्र का कार्यक्रम जारी किया है। इसमें 21 मैच होंगे और जिसमें 4 डबल हेडर मैच रहेंगे। वहीं दूसरे सत्र का कार्यक्रम आम चुनावों की तारीखें सामने आने के बाद घोषित किया जाएगा। पहले सत्र में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पहले डबल हेडर मैच में उतरेंगी। दिन का यह पहला मैच 23 मार्च को मोहाली में खेला जाएगा जबकि दिन के दूसरे मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम सत्र की शुरुआत का अपना पहला मैच लखउन सुपर जॉयंट्स से खेलेगी। पहले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का एक भी मैच अपने घरेलू मैदान पर नहीं होगा। कैपिटल्स टीम के शुरुआती दो मैच विशाखापत्तनम में रखे गये हैं।

रणजी ट्रॉफी में अनुपस्थिति के कारण इशान, श्रेयस के केंद्रीय अनुबंध गंवाने की संभावना: रिपोर्ट

नई दिल्ली।

रिपोर्टों के अनुसार भारत के बल्लेबाजों ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी से अनुपस्थित रहने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखा जा सकता है।

अय्यर के पास ग्रेड बी बीसीसीआई अनुबंध है जबकि किशन के पास ग्रेड सी अनुबंध है।

इससे पहले, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केंद्र-अनुबंधित और भारत ए क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट में भाग न लेने पर चेतावनी दी थी, जिसमें कहा गया था कि घरेलू क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने के उनके कदम के गंभीर प्रभाव होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, अजीत अगरकर के नेतृत्व में चयनकर्ताओं ने 2023-24 सीज़न के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची पूरी कर ली है, जिसका बीसीसीआई जल्द ही अनावरण करेगा। घरेलू क्रिकेट में भागीदारी की कमी के कारण किशन और अय्यर को इस सूची से बाहर किए जाने की उम्मीद है।

किशन ने आखिरी बार भारत के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला था,इसके बाद वह निजी कारणों से साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरे से हट गए थे। इस बीच, उन्होंने झारखंड के लिए रणजी ट्रॉफी में प्रतिस्पर्धा नहीं करने का फैसला किया है और कथित तौर पर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ बड़ौदा में प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए हैं।

श्रेयस अय्यर, जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछले तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था, पीठ दर्द का हवाला देते हुए बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के आगामी रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए थे।

गुवाहाटी में ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट में रिकॉर्ड भागीदारी पर है बीएफआई की नजर

नई दिल्ली।

पिछले तीन टैलेंट हंट प्रोग्राम की सफलता के बाद बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) आरईसी लिमिटेड के सहयोग से मार्च में होने वाले ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट के साथ अगला अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट देश के विभिन्न क्षेत्रों में बीएफआई द्वारा आयोजित चार ओपन प्रारंभिक टूर्नामेंटों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये टूर्नामेंट पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों के लिए युवा, जूनियर और सब-जूनियर श्रेणियों को पूरा करते हैं। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, असम और पूर्वोत्तर ने असंख्य मुक्केबाजी प्रतिभाओं की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और मुझे उम्मीद है कि गुवाहाटी में यह ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक

असाधारण अवसर देगा और साथ ही उन्हें लोगों की नजरों में आने का सीधा मौका भी मिलेगा।

मुझे उम्मीद है कि खेल और मुक्केबाजी प्रेमी बड़ी संख्या में भाग लेंगे और हम इस क्षेत्र से और अधिक नई प्रतिभाओं को सामने लाने में सक्षम होंगे।

इस टूर्नामेंट में कोई भाग ले सकता है और अपना कौशल दिखाने के लिए अपना नामांकन करा सकता है।

आरईसी ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट के लिए पंजीकरण वर्तमान में चल रहा है। जूनियर/सब-जूनियर श्रेणी के पंजीकरण की अंतिम तिथि 24 फरवरी निर्धारित की गई है और एलीट/युवा श्रेणी के पंजीकरण की समय सीमा 4 मार्च, 2024 तक खुली है।

यह आयोजन 2 मार्च को शुरू होगा, जिसमें जूनियर और सब-जूनियर इवेंट शामिल होंगे और 9 मार्च, 2024 तक जारी रहेंगे। एलीट और यूथ इवेंट 11-18 मार्च, 2024 तक होंगे।

खेलो इंडिया सदर्न ओपन टैलेंट हंट प्रोग्राम में पहले 841 से अधिक मुक्केबाजों ने भाग लिया है, जिसमें जूनियर/सब-जूनियर वर्ग में 259 और एलीट/युवा वर्ग में 582 से अधिक मुक्केबाज शामिल हैं।

जनवरी में हुए वेस्टर्न ओपन टैलेंट हंट में जूनियर/सब-जूनियर वर्ग में 213 प्रतिभागियों और एलीट/यूथ वर्ग में 299 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ईस्टर्न टैलेंट हंट के बाद, विजेताओं को शॉर्टलिस्ट करने के लिए सभी टैलेंट हंट प्रोग्राम के विजेताओं को शामिल करते हुए एक संयुक्त राष्ट्रीय टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ब्राजील के पूर्व फुटबॉलर को साढ़े चार साल की मिली सजा, यौन उत्पीड़न मामले में कोर्ट ने पाया दोषी

नई दिल्ली। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल डैनियल अल्वेस को यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया। इस मामले में कोर्ट ने उन्हें साढ़े चार साल की सजा सुनाई। साथ ही अदालत ने दोषी पर 150,000 यूरो का जुर्माना लगाया। अदालत ने कहा कि कोर्ट यह मानता है कि यह साबित हो गया है कि पीड़िता ने सहमति नहीं दी थी और शिकायतकर्ता की गवाही के अलावा, यह सबूत हैं कि खिलाड़ी ने पीड़िता का यौन उत्पीड़न किया था। साथ ही अल्वेस को यह भी कहा गया है कि वह नौ साल और छह महीने तक पीड़िता से बातचीत नहीं कर सकता या उसके एक किलोमीटर के आसपास तक नहीं रह सकता है। अल्वेस नहीं साबित कर सके निर्दोष मामले की सुनवाई के दौरान अल्वेस ने जोर दिया कि पीड़िता के साथ सहमति से सबकुछ हुआ था। हालांकि, अल्वेस उसे साबित करने में नाकाम रहे। पीड़िता के वकील ने अल्वेस को नौ साल की सजा दिए जाने के मांग की। हालांकि कोर्ट ने साढ़े चार साल की ही सजा सुनाई। साल 2022 के दिसंबर में चर्चा में आया था मामला बता दें कि यह मामला साल 2022 के दिसंबर में चर्चा में आया था, जब अल्वेस अपने एक दोस्त के साथ बार्सिलोना के एक नाईट क्लब गए थे। वहां, एक महिला ने अल्वेस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। इसके बाद जनवरी 2023 में अल्वेस को हिरासत में लिया गया। फरवरी 2023 में केस की सुनवाई हुई और उन्हें बार्सिलोना की जेल में भेज दिया था।

इच्छाधारी नागिन बनने के लिए श्रीदेवी ने चुकाई थी भारी कीमत

मैं तेरी दुश्मन, दुश्मन तू मेरा, मैं नागिन, तू सपेरा, दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी का ये गाना हम सब ने बचपन में कई बार जरूर सुना होगा। आज भी आपको ये सॉन्ग आसानी से सुनने को मिल जाएगा। लेकिन क्या आपको मालूम है कि श्रीदेवी का ये गाना किस मूवी का है। इस गाने, फिल्म की कहानी और श्रीदेवी की एक्टिंग के दम पर नगीना एक पॉपुलर फिल्म बनी। ऐसे में आज हिट फिल्म, सुपरहिट किस्से में अदाकारा के करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक *नगीना* के बारे में विस्तार में बात की जाएगी और बताएंगे कि कैसे इच्छाधारी नागिन के किरदार में श्रीदेवी ने कैसे अपनी छाप छोड़ी। 70 के दशक में बेटी, गद्दार और संग्राम जैसी फिल्म बनाने वाले निर्देशक हरमेश मल्होत्रा ने साल 1986 में एक फिल्म बनाई, जिसका नाम नगीना था। सांपो को लेकर फिल्में बनाना का ट्रेंड इस मूवी के बाद आगे काफी आगे बढ़ा। फिल्म नगीना में श्रीदेवी ने इच्छाधारी नागिन का रोल अदा किया और जिस शिद्दत के साथ उन्होंने इसे बड़े पर्दे पर उतारा उसे देखने के बाद हर कोई उनका दीवाना हो गया। नगीना में श्रीदेवी के अलावा सुपरस्टार ऋषि कपूर, अमरीश पुरी और सुषमा सेठ जैसे कलाकारों अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म नगीना श्रीदेवी की उस दौर की लगातार 7वीं सफल फिल्म रही। इस मूवी की कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया, जिस तरह से श्रीदेवी इस मूवी में एक नागिन के रूप में शत प्रतिशत दिया, उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। यही कारण है, जो बॉक्स ऑफिस पर नगीना सुपरहिट साबित हुई। इसके अतिरिक्त खलनायक के रोल में अभिनेता अमरीश पुरी ने भी अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया, जिसने इस मूवी की सफलता में बड़ा योगदान दिया। वहीं ऋषि कपूर ने अपने कैरेक्टर के अनुरूप उम्दा काम किया। आलम ये रहा फिल्म नगीना साल 1986 की सबसे बड़ी हिट मूवी में से एक रही। नगीना में इच्छाधारी के नागिन के रोल को बड़े पर्दे पर असरदार दिखाने के लिए श्रीदेवी ने खास तरह के आई लेंस पहने। जिसको लेकर लंबे अरसे तक ये चर्चा चलती रही कि ये लेंस नहीं, बल्कि एक्ट्रेस की असली आंखें हैं। बताया जाता है कि इन लेंस को लगाकर काफी वक्त तक नगीना की शूटिंग करने की वजह से उनकी आंखों में परेशानी होने लगीं, जिसकी वजह से उन्हें देखने में काफी दिक्कत होने लगी। इसके बाद श्रीदेवी को डॉक्टर का परामर्श भी लेना पड़ा, जिसकी वजह से लंबे वक्त तक उनका इलाज भी चला। ऐसे में फिल्मों में नागिन बनने की वजह से श्रीदेवी की काफी कीमत चुकानी पड़ी। श्रीदेवी के अलावा जया प्रदा उस वक्त हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस में शुमार थीं। जितेंद्र की फिल्म तोहफा में श्रीदेवी और जया प्रदा को एक साथ देखा गया, लेकिन इसके बाद इन दोनों ही अभिनेत्रियों में आपसी खटास बढ़ गई। श्रीदेवी से पहले नगीना का ऑफर जया को दिया गया, लेकिन नागिन थीम पर फिल्म होने की वजह से उन्होंने इस मूवी को ठुकराया दिया, क्योंकि उनको असल जिंदगी में सांपों से काफी डर जो लगता था। जया प्रदा के मना करने के बाद जब ये मूवी श्रीदेवी के पास पहुंची तो उन्होंने बिना देरी करते हुए इसके लिए हां कह दी और नगीना ने सफलता का एक नया इतिहास लिखा। इस मूवी के बाद श्रीदेवी की किस्मत ऐसी चमकी कि हर कोई नागिन के रोल के आधार पर उन्हें फेवरेट मानने लगा, सिर्फ नगीना ही नहीं इसके बाद श्रीदेवी ने निगाहें मूवी में भी नागीन का रोल अदा किया, जोकि नगीना का सीक्वल था।

सिर्फ फायदेमंद ही नहीं हानिकारक भी हो सकती है अरहर दाल

जरूरत से ज्यादा कोई भी चीज सेहत के लिए नुकसानदायक होती है, क्योंकि किसी भी चीज को ज्यादा खाने से इसका उल्टा असर पड़ने लगता है। अरहर की दाल वैसे तो प्रोटीन और विटामिन से भरपूर होती है, जो हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन ये पचने में अधिक समय लेती है। इसकी वजह से बहुत से लोगों को खट्टी डकारें, पेट में दर्द और गैस की समस्या होने लगती हैं। ऐसे में इसे ज्यादा खाने से परहेज करना चाहिए। इसमें मौजूद पोटैशियम किडनी पेशेंट के लिए खतरनाक साबित हो सकता है और उनकी समस्या को और अधिक बढ़ा भी सकता है। इसलिए किडनी संबंधित रोगियों को अरहर की दाल नहीं खाना चाहिए। खासकर रात में तो ऐसे लोगों को बिल्कुल भी अरहर की दाल नहीं खानी चाहिए, क्योंकि इससे अपच और गैस की समस्या बढ़ जाती है। आइए जानते है कि किसके लिए अरहर की दाल हानिकारक हो सकती है-

यूरिक एसिड की समस्या : ऐसे लोग, जिन्हें यूरिक एसिड की समस्या है, उन्हें अरहर की दाल का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन यूरिक एसिड की समस्या को और ज्यादा बढ़ा देगा। इससे जोड़ों में सूजन और हाथ-पैर में तेज दर्द होने लगेगा।

कॉन्स्टिपेशन और गैस की समस्या : अगर आप कॉन्स्टिपेशन से परेशान रहते हैं, तो आपको अरहर की दाल नहीं खानी चाहिए। साथ ही अगर आप गैस की समस्या से भी परेशान रहते हैं, तो भी इसके सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि ये पचने में समय अधिक लेती है, इसलिए गैस और खट्टी डकारें आती हैं, जो हमारी परेशानी को बढ़ाते हैं।

बवासीर होने पर : अगर आपको बवासीर है, तो आपको अरहर की दाल नहीं खानी चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन को पचाने में हमारे पाचनतंत्र को बहुत मेहनत करना पड़ता है, जिसकी वजह से कब्ज की समस्या बनने लगती है और सुबह के वक्त मोशन ठीक न होने से बवासीर रोग और भी बढ़ जाता है ।

किडनी रोग में : किडनी रोग में अरहर की दाल का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। इसमें मौजूद पोटैशियम किडनी के रोग को और अधिक बढ़ा सकती है। इतना ही नहीं ऐसे लोगों को इस दाल के सेवन से पथरी भी हो सकती है।

एलर्जी होने पर : अगर आपको अरहर की दाल से एलर्जी है, तो आप इसे खाने से बचें। खासकर रात में इसका सेवन बिल्कुल भी नहीं करें। वरना आपको पाचन संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

সত্যমেব জয়তে
অসম চৰকাৰ

চিলাৰায় দিৱস

বীৰ চিলাৰায়ৰ পৱিত্ৰ জয়ন্তী উপলক্ষে
বিশ্ব মহাবীৰগৰাকীলৈ সমূহ অসমবাসীৰ হৈ
গভীৰ শ্ৰদ্ধাঞ্জলি নিবেদিছোঁ।

ড° হিমন্ত বিশ্ব শর্মা
মুখ্যমন্ত্রী, অসম

২৪ ফেব্রুৱাৰী ২০২৪

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত
Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in
অসম বার্তা ছাবস্ক্রাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক
-- Janasanyog /D/18331/ 23/24-Feb-24

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**